आश्विन शुक्ल पक्ष-03, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 103 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
05 अक्टूबर 2024 शनिवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
22 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

रानी दुर्गावती के सिंहासन कक्ष से प्रेरित पहली ओपन-एयर कैबिनेट बैठक

सिंग्रामपुर में सरकार, कैबिनेट कर रही खास प्रस्तावों पर विचार, नजर में सुशासन

भोपाल/सिंग्रामपुर, दोपहर मेट्रो।

सिंग्रामपुर में कैबिनेट बैठक के लिए मंत्रालय की तर्ज पर बैठक स्थल तैयार किया गया है।

आज मप्र की मोहन यादव सरकार का पड़ाव दमोह जिले का सिंग्रामपुर है। मुख्यमंत्री यादव समेत सभी मंत्री और मुख्यसचिव अनुराग जैन समेत तमाम आला अफसर सिंग्रामपुर में हैं। यहां कैबिनेट बैठक में कुछ महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है। दमोह को विशेष सौगातें भी सरकार के फोकस में हैं। रानी दुर्गावती के सिंहासन कक्ष से प्रेरित इस पहली ओपन-एयर कैबिनेट बैठक के पूर्व डॉ यादव ने कहा कि राज्य शासन द्वारा मातृ शक्ति को पूर्ण सम्मान देते हुए स्वतंत्रता संग्राम, सुशासन, साहस जैसे क्षेत्रों में राष्ट्र के लिये योगदान के साथ प्राणोत्सर्ग करने वाली वीरांगनाओं, शासिकाओं की स्मृति को स्थायी बनाये रखने के लिये विविध प्रयास किए जा रहे हैं। सिंग्रामपुर में आज मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की किस्त के 1250 रुपये आज महिलाओं के खाते में आएंगे। सीएम यादव सिंग्रामपुर में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के जरिए एक करोड़ 29 लाख लाड़ली बहनों के खाते में यह राशि भेजेंगे। इस बार त्योहार को देखते हुए योजना की किश्त कुछ दिन पहले जारी की जा रही है। सिंग्रामपुर में कैबिनेट बैठक के बाद आमसभा का आयोजन भी है। अपरांह बाद यह आमसभा महिला सशक्तिकरण के लिए केंद्रित है इसमें लाड़ली बहना योजना और स्व सहायता समूह, वन समिति की महिला सदस्य, महिला पंच, सरपंच सहित सभी महिलाएं शामिल होगी। आमसभा के दौरान विभिन्न शिलान्यास, लोकार्पण आदि भी होगें। इसी दौरान राज्य स्तरीय तीन मुख्य सिंगल क्लिक के माध्यम से लाड़ली बहना की किश्त, सामाजिक सुरक्षा अंतर्गत विभिन्न योजनाओं की राशि तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का सिंगल क्लिक के माध्यम से भुगतान किया जायेगा जिसमें दमोह जिले के हितग्राही भी शामिल रहेंगे, साथ ही एक ऐप एवं एक किताब दमोह दर्शन का विमोचन भी किया जाएगा। इसके बाद सिंगौरगढ़ किले परिसर में प्रदर्शनी का अवलोकन मुख्यमंत्री एवं मंत्रीपरिषद करेगी।

बैठक कक्ष का डिजाइन किले-नुमा

यह आयोजन रानी दुर्गावती के सुशासन, उनकी कार्यकुशलता और महिलाओं के सशक्तिकरण से प्रेरित है। इस बैठक का डिज़ाइन रानी दुर्गावती के किले की भव्यता को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें एक किला-नुमा प्रवेश द्वार और शिव मंदिर भी शामिल हैं। यह पहली बार है जब कैबिनेट की बैठक एक खुले क्षेत्र (ओपन एरिया) में आयोजित की जा रही है, जो रानी दुर्गावती के समय की स्थापत्य कला से प्रेरित है। यहां की आर्किटेक्चरल छत और दीवारें रानी के जीवन की संपूर्ण यात्रा को जीवंत रूप से प्रस्तुत करेंगी, जिसमें नारी युद्ध, प्रगतिशील शासन, और महिलाओं के सशक्तिकरण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को विशेष रूप से उजागर किया जाएगा।

हाइवोल्टेज चुनाव, हरियाणा में मतदान, वोटर्स का जोश हाई

चंडीगढ़, एजेंसी।

हाल के लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच आज पहला बडा चुनावी मुकाबला हो रहा है। हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। मतदाताओं में जोश नजर आ रहा है और हर उम्र के लोग मतदान केंद्रों पर पहुंच रहे हैं। दोपहर दो बजे तक लगभग 42 फीसदी मतदान हो चुका है। पीएम मोदी ने लोगों से रिकार्ड मतदान की अपील की है तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, महासचिव प्रियंका गांधी व राहुल गांधी ने भी सभी वर्गों से वोट डालने की अपीलें की हैं। यह चुनाव दोनों बडे दलों की प्रतिष्ठा के साथ ही जेजेपी व आप समेत अनेक छोटे व क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक भूमिका को रेखांकित करेगा। कुल 1,031 उम्मीदवार चुनाव मैदान में है। इनमें से 464 उम्मीदवार निर्दलीय हैं। ड्रोन से भी मतदान केंद्रों की निगरानी की जा रही है।

भाजपा मेरा स्वागत करना चाहती है, क्योंकि...

इधर कांग्रेस सैलजा ने हिसार में वोट डाला और मीडिया से बातचीत में विश्वास जताया कि कांग्रेस हरियाणा में सरकार बनेगी तथा मुख्यमंत्री का फैसला आलाकमान करेगा। केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्टर की ओर से बीजेपी में शामिल होने का ऑफर मिलने पर सैलजा ने कहा, 'बीजेपी मेरा स्वागत इसलिए करना चाहती है, क्योंकि वह हरियाणा में बहुत कमजोर है। वह मजबूत नेताओं को अपने साथ लाने के लिए कुछ भी करेगी। ' इससे पहले उन्होंने कहा था कि ' आलाकमान मुख्यमंत्री के लिए कुछ नेताओं के नाम पर विचार कर रहा होगा तो मुझे लगता है कि सैलजा भी उनमें से होंगी।

ममता सरकार को जूडा का 24 घंटे का अल्टीमेटम

कोलकाता, एजेंसी।

बीते एक महीने से आंदोलनरत जूनियर डॉक्टर्स ने अपनी'पूरी तरह से काम रोकों' हड़ताल को फिलहाल वापस लेने का फैसला किया है। कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में डॉक्टर्स की रैली पर लाठीचार्ज से डॉक्टर्स में नाराजगी है। मगर देर रात उन्होंने पूरी तरह से काम रोकने की हड़ताल वापस लेने का फैसला किया। डॉक्टर्स ने बंगाल सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है और मांग की है कि या तो सरकार उनकी मांगे मान ले या फिर वह आमरण अनशन शुरू कर देंगे। डॉक्टर्स ने प्रदर्शन स्थल पर एक बड़ी सी घड़ी भी लगाई है ताकि समय की पाबंदी पर ध्यान रखा जा सके।

डिप्टी सीएम के बेटे को नोटिस भेजने 7 दिन लगे

जयपुर, एजेंसी।

राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के बेटे की तेज रफ्तार वाहन चलाने व यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाली रील वायरल होने के 7 दिन बाद अब महकमा कार्यवाही की हिम्मत जुटा सका है। परिवहन विभाग ने डिप्टी सीएम के बेटे चिन्मय कुमार बैरवा का 7 हजार का चालान काटा है, साथ ही कांग्रेस नेता पुष्पेंद्र भारद्वाज के बेटे कार्तिकेय पर भी 7 हजार रुपये का जुर्माना लगाकर नोटिस थमाया। चिन्मय के पिता इसी परिवहन विभाग के मंत्री भी हैं। लिहाजा वायरल रील के बाद परिवहन विभाग ने चुप्पी साध ली थी, लेकिन विवाद बढ़ने के बाद डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा के निर्देश के बाद परिवहन विभाग ने कार्रवाई की हिम्मत जुटाई है।

इमरान ने कहा-हमारे धरने को संबोधित करें जयशंकर

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को इस्लामाबाद में पार्टी के धरने में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने का फैसला किया है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा में पीटीआई सरकार के सूचना सलाहकार बैरिस्टर अली सैफ ने भारतीय विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर से विरोध प्रदर्शन को संबोधित करने के लिए अपील की है। इस बीच पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सेना की तैनाती कर दी गई है। जयशंकर आगामी शंघाई सहयोग शिखर सम्मेलन के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए 15-16 अक्टूबर की पाकिस्तान की यात्रा करने वाले हैं। दूसरी तरफ पीटीआई राजधानी के डी-चौक पर बड़ा धरना आयोजित करने जा रही है। इसे लेकर पीटीआई और इस्लामाबाद पुलिस के बीच झड़प हो चुकी है। जियो न्यूज से बात करते हुए बैरिस्टर अली सैफ ने कहा, 'हम जयशंकर साहब को भी दावत देते हैं कि वो हमारे विरोध प्रदर्शन में आएं और हमारे लोगों को एड्रेस करें।' सैफ ने कहा कि पीटीआई को संविधान के तहत विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है।

छग में नक्सलियों के अब तक 21 लाशें बरामद

रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में से अब तक 21 के शव बरामद हुए हैं। मौके से बड़ी संख्या में ऑटोमेटिक हथियार बरामद किए गए हैं। अभी सर्च ऑपरेशन जारी है। मुठभेड़ दंतेवाड़ा में बारसूर के ग्राम थुलथुली और नारायणपुर में ओरछा के ग्राम नेंदूर के जंगलों में हुई है। जानकारी के मुताबिक जवान नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना वाली जगह पर पहुंचे तो नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में 35 से ज्यादा नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में सभी जवानों के सुरक्षित होने की जानकारी मिली है।

हिजबुल्लाह के 2 हजार ठिकानों पर हमले, 12 लाख लोग बेघर

बेरूत, एजेंसी।

इजरायल के तीखे तेवर बरकरार

इस वक्त इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच लड़ाई से दुनियाभर में चिंता है। इस्राइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में हिजबुल्ला के गढ़ में इस कदर बमबारी की हैं कि करीब 12 लाख लोग देशछोडकर भाग रहे हैं। देर रात इस्राइल ने बेरूत के दक्षिणी उपनगर में लोगों को घर खाली करने की चेतावनी दी और फिर बमबारी की। इस्राइल ने बेरूत के एयरपोर्ट के नजदीक हमले किए। लेबनान की सीमा में छापेमारी कर रही इस्राइल की सेना की हिजबुल्ला के लड़ाकों के साथ लड़ाई जारी है। लेबनान के सीमावर्ती इलाकों में यह लड़ाई चल रही है उसने करीब 2000 ठिकानों पर हमले किये हैं। इस्राइली हमले के चलते लेबनान के तीन अस्पतालों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिसके बाद इन अस्पातालों में मरीजों का इलाज नहीं हो पा रहा है। लेबनान के प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि बचावकर्मियों को हमले की जगहों पर जाने की इजाजत मिलनी चाहिए ताकि घायलों की मदद हो सके।

घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को किया ढेर

श्रीनगर, एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के गुगलधार में लाइन ऑफ कंट्रोल पर सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। सेना और पुलिस ने दो आतंकियों को मार गिराया है। सेना की चिनार कॉर्प्स ने बताया कि सेना और पुलिस को एक संदिग्ध एक्टिविटी दिखी। इसके बाद जॉइंट आपरेशन शुरू किया गया। इस दौरान आतंकियों ने फायरिंग कर दी। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकी मारे गए। उनके पास से बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद मिले हैं। फिलहाल ऑपरेशन जारी है। इससे पहले 28 सितंबर को कठुआ जिले में बिलावर तहसील के कोग-मंडली में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद की मौत हो गई थी। मुठभेड़ के दूसरे दिन एक आतंकी मारा गया था।

30 साल से गांधीवादी हो चुका, मलिक का नया दांव

नई दिल्ली, एजेंसी।

टेरर फंडिंग के मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे जम्मू और कश्मीर लिबरेशन फ्रंट-यासीन (जेकेएलएफ-वाई) के अध्यक्ष यासीन मलिक ने खुद को अब गांधीवादी बताया है। मलिन ने अपने संगठन पर प्रतिबंध की समीक्षा करने वाले यूएपीए न्यायाधिकरण से कहा है कि अब वो गांधीवादी है. उसने 1994 से ही हथियार और हिंसा छोड़ दी है। हलफनामे में मलिक ने दावा किया कि उन्होंने 1994 में 'संयुक्त स्वतंत्र कश्मीर' की स्थापना का लक्ष्य पाने के मकसद से जेकेएलएफ-वाई के जरिए सशस्त्र संघर्ष की राह छोड़ दी थी। अब अपने विरोध और प्रतिरोध के लिए उसने गांधीवादी तौर तरीका अपना रखा है। यासीन पर यूएपीए न्यायाधिकरण का आदेश राजपत्र में प्रकाशित हुआ है. उसमें जेकेएलएफ-वाई को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, के तहत अगले पांच वर्षों के लिए 'गैरकानूनी संगठन' घोषित किया गया है।

मेट्रो एंकर कोर्ट रूम की मर्यादा पर सीजेआई ने लगाई वकील को फटकार

कल तो आप मेरे घर आकर पूछताछ करेंगे...

नई दिल्ली, एजेंसी।

आपने यह हिम्मत कैसे की कि मैने कोर्ट में क्या लिखा है।' यह कडी फटकार देश के मुख्य न्यायाधीश ने कोर्ट में एक वकील को लगाई। सुप्रीम कोर्ट में एक जोरदार संबोधन में, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने एक वकील को अनुचित कोर्टरूम आचरण के लिए ये फटकार लगाई। इससे उनके कार्यकाल के अंत तक न्यायिक मर्यादा बनाए रखने के उनके दृढ़ संकल्प का संकेत भी मिला। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह घटना एक मध्यस्थता आदेश पर चर्चा के दौरान हुई। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा ' आपने कोर्ट मास्टर से यह पूछने की हिम्मत कैसे की कि मैंने कोर्ट में क्या लिखा? कल आप मेरे घर पर होंगे, मेरे निजी सचिव पूछेंगे कि मैं क्या कर रहा हूँ। क्या वकीलों ने सारी समझ खो दी है?

दरअसल न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इस तरह स्पष्ट शब्दों में अपनी असहमति व्यक्त की । उन्होंने आगे जोर देकर कहा, 'मैं अभी भी प्रभारी हूँ, हालाँकि थोड़े समय के लिए ही। ये अजीबोगरीब तरकीबें फिर से न आज़माएँ। ये कोर्ट मैं मेरे आखिरी दिन है। यह प्रकरण हाल ही में कोर्टरूम में अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से की गई फटकार की एक श्रृंखला का हिस्सा बन गया है। इस सप्ताह की शुरुआत में, उन्होंने पीठ को संबोधित करते हुए "Ya " शब्द का इस्तेमाल करने वाले एक वकील को फटकार लगाई और कहा,यह कोई कॉफी शॉप नहीं है! यह 'ya ya ' क्या है? मुझे इस 'ya ya' से बहुत एलर्जी है। इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती।

उल्लेखनीय है कि इस साल की शुरुआत में चुनावी बॉन्ड मामले की महत्वपूर्ण सुनवाई के दौरान एक संबंधित घटना में, मुख्य न्यायाधीश ने अपनी आवाज़ उठाने के लिए एक अन्य वकील की तीखी आलोचना की थी। उन्होंने कहा, यह हाइड पार्क कॉर्नर मीटिंग नहीं है; आप एक अदालत में हैं। यदि आप कोई आवेदन देना चाहते हैं, तो उसे दाखिल करें। आपके पास मुख्य न्यायाधीश के रूप में मेरा निर्णय है, और हम आपकी सुनवाई नहीं कर रहे हैं।यदि आप कोई आवेदन देना चाहते हैं, तो उसे ईमेल के माध्यम से दें ङ्क यही इस अदालत का नियम है।'

35 दिन का कार्यकाल

आगामी 10 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ अपने दो साल के कार्यकाल के दौरान न्यायालय की नैतिकता के बारे में मुखर रहे हैं। उन्होंने लगातार वकीलों को प्रक्रियाओं को दरकिनार करने और पीठ के प्रति लापरवाह रवैया दिखाने के लिए सही किया है।

बेटियों व महिलाओं को सुरक्षा देने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर नई व्यवस्था

दुर्गा और गरबा पंडालों की निगरानी ड्रोन से, सीसीटीवी की भी लेगें मदद

महिला पुलिस करेगी पेट्रोलिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। नवदुर्गा में बेटी और महिलाओं की सुरक्षा पर सरकार ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए दुर्गा व गरबा पंडालों की निगरानी ड्रोन से कराने का निर्णय लिया है। सीसीटीवी कैमरों की भी मदद ली जा रही है। अलग से महिला पेट्रोलिंग दल को लगाया है जो इन पंडालों के आसपास पेट्रोलिंग करेगा। यह व्यवस्था बाहरी लोगों को गरबा पंडालों में प्रवेश न मिला और बेटी व महिलाओं की सुरक्षा पुख्ता हो इसके लिए ये व्यवस्था की है। मुख्यंमत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार शाम को इस संबंध में अधिकारियों को व्यवस्था बनाने संबंधी निर्देश दिए हैं।

कुछ इस तरह होगी व्यवस्था

प्रत्येक पंडालों में अलग से महिला पुलिस जवानों की तैनाती की जा रही है। ये जवान मुख्य प्रवेश द्वार पर रहेंगी। इनकी निगरानी वाली विशेष जांच के बाद गरबा पंडाल में प्रवेश दिया जाएगा। खासकर महिलाओं के साथ प्रवेश करने वाले पुरुषों व युवाओं को जांच के दायरे से होकर गुजरना पड़ेगा। वहीं महिला पुलिस वाली एक पेट्रोलिंग टीम पंडालों के आसपास लगातार गश्त करेगी। शहर और गांव दोनों ही क्षेत्रों में यह व्यवस्था काम करेगी। थाने स्तर पर यह व्यवस्था बनाई है, जिसकी निगरानी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को दी है। इसके लिए थाना क्षेत्रों के प्रत्येक गरबा पंडालों की मैपिंग की है, जिसमें महिलाओं की तैनाती की व्यवस्था कर दी है। उत्सव समितियों से भी महिला वालेंटियर तैनात करने को कहा है। मैपिंग के आधार पर अलग से टीमें लगा दी है।

15 हजार महिला समूहों को ड्रोन उपलब्ध कराएगी सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश सहित देशभर में ऐसे उपयुक्त क्लस्टरों की पहचान की जाएगी जहां ड्रोन का उपयोग आर्थिक रूप से व्यवहार्य है और पहचाने गए क्लस्टरों में विभिन्न राज्यों में प्रगतिशील 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन उपलब्ध कराने के लिए चुना जाएगा। यह बात केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कही। ज्ञात हो कि केंद्र की पहल पर 1261 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ मध्यप्रदेश सहित देश के महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को 15,000 ड्रोन उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार ने बीते दिनों मंजूरी थी। मध्यप्रदेश में लगभग 5.50 लाख एसएचजी हैं। मप्र सरकार भी तेजी से ड्रोन तकनीक का उपयोग सरकार के मैदानी कामों में कर रही है। इसके लिये ट्रेनिंग और अनुदान आदि दिये जा रहे हैं। इसी कडी में ड्रोन दीदी स्वसहायता समूहों को इस योजना के तहत 2023-24 से 2025-2026 की अवधि के दौरान चरणबद्ध तरीके से 15,000 चयनित एसएचजी को कृषि उद्देश्य के लिए किसानों को किराये की सेवाएं प्रदान करने के लिए ड्रोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। इधर मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने बीते 11 मार्च 2024 को नमो ड्रोन दीदी अभियान के तहत, मध्यप्रदेश के 89 महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को आधुनिक ड्रोन प्रदान किए हैं। नवीन योजना के तहत मध्यप्रदेश को ज्यादा से ज्यादा ड्रोन के लिये भी प्रधानमंत्री से अनुरोध किया जाएगा। ड्रोन खरीद के लिए महिला समूहों को लागत का 80त्न की दर से केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जो अधिकतम आठ लाख रुपये तक होगी। महिला समूहों की एक सदस्य को 15 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए चुना जाएगा।

रावत पर विजयपुर पहुंच कर बरसे कांग्रेस नेता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस छोडकर भाजपा में शामिल होकर मंत्री बनने वाले रामनिवास रावत पर कांग्रेस नेताओं ने कल उनके निर्वाचन क्षेत्र विजयपुर पहुंचकर तीखे हमले किये। मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि रावत का पूरा परिवार जमीनें,दुकानें पेट्रोल पंप आदि बनवाने में लगा है और क्षेत्र के गरीब आदिवासी जंगल में लकडियां बीनने को मजूबर हैं। रावत पर कांग्रेस नेताओं ने जनता व कांग्रेस से गद्दारी का भी आरोप लगाया। यहां एक बडी सभा को अरूण यादव ने भी संबोधित किया।

नाथ ने साधे निशाने : इधर, पूर्व सीएम कमलनाथ ने अतिथि शिक्षकों पर भोपाल में हुए लाठीचार्ज की जांच हाई कोर्ट की निगरानी में एक उच्चस्तरीय समिति द्वारा करने की मांग की है। नाथ ने कहा कि ÷भोपाल में प्रदर्शन करने आए अतिथि शिक्षकों के साथ की गई बर्बरता की जो खबरें सामने आ रही हैं, वह बहुत चौंकाने वाली हैं और यह दिखाती हैं कि प्रदेश में लोकतंत्र और मानवाधिकारों की स्थिति पूरी तरह चौपट है।शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले अतिथि शिक्षकों पर रात के अंधेरे में बिजली गुल करके किया गया लाठीचार्ज लोकतंत्र के माथे पर धब्बा है। नाथ ने युंका अध्यक्ष मितेंद्र सिंह पर प्रकरण दर्ज करने की भी आलोचना की और कहा कि सत्ता में बैठे व्यक्ति की यह भी जिम्मेदारी होती है कि वह अपनी आलोचना सुन सके और आलोचना सुनने के बाद अपनी नीतियों में सुधार करे। लेकिन प्रदेश सरकार की लाड़ली बहना योजना पर मितेन्द्र सिंह के एक ट्वीट पर अपनी अंतरात्मा में झांकने के बजाय भाजपा के नेता उनके ख़िलाफ़ एफ़आइआर करा रहे हैं, उससे पता चलता है कि सरकार और सत्ताधारी पार्टी न सिर्फ़ सच्चाई का सामना करने से मुकर रहे हैं बल्कि सच्चाई का गला घोंटना चाहते हैं।

सुसाइड नोट में पुलिसकर्मी का जिक्र, पुलिस आयुक्त से रिपोर्ट तलब

मप्र मानव अधिकार आयोग ने आत्महत्या मामले में लिया संज्ञान

भोपाल। मप्र मानव अधिकार आयोग ने युवक द्वारा आत्महत्या करने के मामले में सुसाइड नोट में एक पुलिसकर्मी को जिम्मेदार ठहराने के मामले में संज्ञान लिया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि पिपलानी क्षेत्र में विगत 15 सितंबर को एक युवक द्वारा अपने ही घर में आत्महत्या करने के मामले में सुसाइड नोट बरामद हुआ था, जिसमें मृतक युवक ने आत्महत्या के लिये पुलिसकर्मी को जिम्मेदार ठहराया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सुसाइड नोट में युवक ने लिखा है कि बिलखिरिया थाने में पदस्थ एक पुलिसकर्मी द्वारा झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर एक लाख रूपये देने का दबाव बना रहा है, जिसके चलते वो आत्महत्या कर रहा है। मामले में आयोग ने पुलिस कमिश्नर को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

रोशनपुरा की 20 फीट ऊंची काली प्रतिमा का आगमन आज

भोपाल। रोशनपुरा कालका चौक वाली माई के नाम से प्रसिद्ध और करीब 20 वर्षों से स्थापित होने वाली 20 फिट ऊंची प्रतिमा का आगमन आज शनिवार को हो रहा है। माता मंदिर से शाम 6 बजे कालका चौक के लिए रवाना होगी। यात्रा धूमधाम से प्रस्तुतियां के साथ निकली जाएंगी।

आरा मशीन रोड पर सजी झांकी बनी आकर्षण

संतनगर में नवरात्र पर भव्य पंडालों में विराजी है मां जगदंबे

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर के आरा मशीन रोड पर पिछले 38 सालों से मां दुर्गे की झांकी की स्थापना की जा रही है इस वर्ष किंग स्टार क्लब की झांकी मैं मां दुर्गे की मनमोहक झांकी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती हैं। यहां मां दुर्गे अपनी आंखों को पलकों को झपकते हुए श्रद्धालुओं को दर्शन दे रही हैं। मां दुर्गा की सवारी शेर भी अपने मुख को इधर-उधर कर रहे हैं जो आकर्षण का केंद्र बनाएं हुए हैं। झांकी के ऊपर बादलों को बनाया गया है, एवं पेड़ पौधे भी लगाए गए हैं। झांकी में खरगोश एवं मोर भी का आकर्षण का केंद्र हैं। समिति के प्रकाश सबनानी, प्रकाश थदानी, महेश खटवाणी, नेवंद सबनानी, पंडित जय शर्मा व अन्य झांकी में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

दुर्गासप्तमी का पाठ शुरू: शरदीय नवरात्रि पर सैनिक कॉलोनी नुक्कड़ वाली माता मंदिर में दुर्गा सप्तशती पाठ का शुभारंभ हुआ। गौरी गणेश अखंड दीपक घट स्थापना करके पूर्व जिला पंचायत के सदस्य विष्णु विश्वकर्मा सभी की सुख-समृद्धि कामना के लिए पाठ किया। पंडित आचार्य रवि पटेरिया पंडित अनीश मिश्रा के सानिध्य में रात्रि कालीन 10ः00 बजे से मां भगवती पूजा अर्चना वेद मंत्र द्वारा पाठ का शुभारंभ किया गया जो भी भक्त नवरात्रि के पावन पर्व पर श्रद्धा सुमन के साथ मां भगवती की पूजा अर्चना करता है माता रानी सभी भक्तों का कष्ट निवारण करती हैं। रवि पटेरिया ने विष्णु विश्वकर्मा जी को मंदिर का चित्र सुप्रीम भेंट किया गया 11 अक्टूबर को प्रातः 10ः00 बजे हवन पूजन के साथ विश्राम किया जाएगा।

अमृतवेला सेंटर पर आज से चालीहा साहिब, 15 नवंबर को होगा समापन

मुंबई से होगा गुरप्रीत सिंघ रिंकू वीरजी का सत्संग

हिरदाराम नगर. अमृतवेला ट्रस्ट, बैरागढ़ 5अक्टूबर से 15 नवंबर तक चालीहा साहिब मनाएगा, जिसका समापन गुरुनानक देवजी की जयंती पर होगा। प्रकाश पर्व के 40 दिन पूर्व चालीहा की शुरूआत होगी। अमृतवेला सेंटर के धीरज टिलवानी ने बताया कि चालीहा साहिब में प्रतिदिन अमृतवेले सुबह 3.30 बजे से भाई साहब गुरप्रीत सिंघ रिंकू वीरजी लाइव मुंबई से संगत को कीर्तन से नेहाल करेंगे, जिसका लाइव टेलीकास्ट मुंबई से पूरी दुनिया में होगा। संगत अमृतवेले से अपने-अपने सेंटर से जुड़ती है। चालीहा से जुड़ने वाले को पूरे साल का फल मिलता है। बैरागढ़ अमृतवेला सेंटर पर भी धूमधाम से चालीहा होगा, जिसमे गुरुनानक देव जी प्रकाश पर्व पर होगा समापन 24×7 निरंतर जपजी साहिब और सुखमनी साहिब के पाठ होंगे। रोजाना रात्रि 1.30 बजे से जो लाइव पाठ मुंबई में होंगा जिसका सीधा प्रसारण अमृतवेला सेंटर बैरागढ़ में भी किया जाएगा। 3.30 बजे से लाइव कीर्तन भाई साहब जी का होगा जिसमे इस बार संतनगर के अलावा कैलाश नगर, बैरागढ़ गाँव, ईदगाह हिल्स, गांधी नगर, आदि जगहों से संगत अमृतवेले सेंटर पर कीर्तन से जुड़ेगी । अमृतवेले संगत के समय अनुसार लेकर आएंगे एवं कीर्तन के उपरांत उनके घर तक छोड़कर भी आएंगे।

भाजपा नेता ने ननि कर्मी का मोबाइल सड़क पर पटककर तोड़ा, अतिक्रमण हटाने से नाराज

भोपाल। एमपी नगर के एक मॉल के सामने अतिक्रमण हटाने पहुंचे नगर निगम के अमले से एक भाजपा नेता ने सिर्फ बदसलूकी की और धमकाया, बल्कि भाजपा नेता एक कर्मचारी का मोबाइल भी हाथ से छीनकर सड़क पर पटकते हुए तोड़ दिया। अब इस घटना का वीडियो वायरल हुआ है और नेता सफाई दे रहे हैं। दरअसल, इस वीडियो में बीजेपी भोपाल महाराणा प्रताप मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह अतिक्रमण प्रभारी प्रतेश गर्ग के साथ अभद्र व्यवहार करते नजर आ रहे हैं और कर्मचारियों पर रोष जताते हुए धमकी दे रहे हैं। वह वीडियो में अधिकारी से कहते नजर आए- 'तुम्हारे बस का है तो उठाकर बताओ। तुझे मालूम नहीं मैं कौन हूं'? इतना ही नहीं वे एक कर्मचारी का मोबाइल पटक रहे हैं। खासबात यह है कि सड़क पर सभी के सामने इतना बड़ा विवाद हुआ, लेकिन अब तक मामले में कार्रवाई नहीं हुई।अपर आयुक्त वरुण अवस्थी का कहना है कि हमारे पास लिखित में प्रतिवेदन नहीं आया है। उधर, अतिक्रमण प्रभारी शैलेंद्र भदौरिया ने बताया कि बीजेपी नेता को समझाने के बाद मामला शांत हुआ। उन्होंने जो आरोप लगाए थे कि हम एकतरफा कार्रवाई कर रहे हैं, वैसा कुछ नहीं है। वहीं भाजपा नेता राजेंद्र सिंह ने बताया अतिक्रमण हटाने के नाम पर सिर्फ चिन्हित लोगों पर कार्रवाई हो रही हैं। जहां टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची थी, वहां कांग्रेस नेताओं के वाहन भी खड़े रहते हैं, उन्हें नहीं हटाया। निगम अधिकारियों से विवाद को लेकर माफी मांग चुका हूं, पहले भी अतिक्रमण को लेकर महापौर को ज्ञापन दे चुका हूं।

मेट्रो एंकर | गरबा की ग्राउंड पर रिहर्सल, हजारों कदम एक साथ थिरके

सांस्कृतिक सिंधी गरबा महोत्सव का आगाज आज से

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधी मेला समिति द्वारा पिछले 20 दिन से चल रहे गरबा प्रशिक्षण की फ़ाइनल रियर्सल शुक्रवार को सुंदरवन गार्डन में संपन्न हुई। सांस्कृतिक सिंधी गरबा महोत्सव की ग्राउंड रिहर्सल में पार्टिस्पेट्स पूरे जोश व उत्साह में गरबा व डांडिया करते हुए नज़र आये, जैसे जैसे म्यूजिक की आवाज़ तेज होती गई वैसे वैसे प्रैक्टिस में तेज़ी आती गई, गरबा के बाद डांडिया के साथ इस सांस्कृतिक गरबे की प्रैक्टिस खत्म हुई।

खूब इंज्वॉय किया: सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया कि शुक्रवार को सुंदरवन गार्डन में इस एक दिवसीय ग्राउंड प्रैक्टिस का आयोजन किया गया था, जिसमें सभी पार्टिस्पेट्स ने इस पल को खूब इंजॉय किया।

महामंडलेश्वर होंगे अतिथि: शनिवार शाम सात बजे से इस सांस्कृतिक सिंधी गरबे का 4 दिवसीय मुख्य समारोह आयोजित किया जा रहा है जिसमें पहले दिन महामंडलेश्वर श्री 1008 दादूजी महाराज (शनि साधक), धारावाहिक नागिन की फेम एवं फिल्म कलाकार महक चहल, अहमदाबाद से मंकी मैंन (जैकी वाधवानी) विशेष रूप से इस सांस्कृतिक गरबा महोत्सव में शामिल हो रहे है।

संस्कृति और विरासत को सम्मान
तरक्की बनी हमारी पहचान

अमर बलिदानी
रानी दुर्गावती
को शत-शत नमन

वीरांगना रानी दुर्गावती के 500वें जन्म जयंती वर्ष पर

उनकी राजधानी सिंग्रामपुर में नारी सशक्तिकरण और सम्मान को समर्पित

मंत्रिपरिषद बैठक का आयोजन

एवं

मुख्यमंत्री, डॉ. मोहन यादव

द्वारा

1.29 करोड़ लाड़ली बहनों को ₹1574 करोड़

55 लाख से अधिक हितग्राहियों को ₹332.71 करोड़ की सामाजिक सुरक्षा पेंशन

24 लाख से अधिक बहनों को ₹450 में गैस रीफिल योजना के ₹28 करोड़ का अंतरण

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

5 अक्टूबर, 2024 I पूर्वाह्न 11:00 बजे I सिंग्रामपुर, जिला दमोह, मध्यप्रदेश

जनजातीय विकास के लिए प्रतिबद्ध प्रयास

- पीएम जन-मन योजना में विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल जिलों में शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करते हुए ₹7300 करोड़ से आंगनवाड़ी केंद्र, छात्रावास, सड़क, पुल और आवास आदि का निर्माण
- बैगा, सहरिया और भारिया जनजाति की बटालियन बनाने के लिए शौर्य संकल्प योजना
- नेवी, आर्मी, एयरफोर्स, सी.आर.पी.एफ., सी.आई.एस.एफ., आई.टी.बी.पी., बी.एस.एफ. आदि में भर्ती हेतु प्रशिक्षण
- आकांक्षा योजना में जे.ई.ई., क्लैट, नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग
- पी.एस.सी., सिविल सेवा, बैंक, एस.एस.सी. आदि के लिए परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण
- प्रत्येक वर्ष 50 अभ्यर्थियों को विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति का लक्ष्य
- विशेष पिछड़ी जनजातीय जिलों में कौशल विकास केंद्र

- जनजातीय ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने के लिए पेसा नियम लागू, एक करोड़ से अधिक नागरिक लाभान्वित
- भगवान बिरसा मुंडा स्व-रोज़गार, टंट्या भील आर्थिक कल्याण योजना, विशेष वित्त पोषण परियोजना द्वारा स्व-रोज़गार ऋण
- 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, 82 आवासीय कन्या शिक्षा परिसर एवं बालकों हेतु 8 आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित
- तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक ₹3 हजार से बढ़कर हुआ ₹4 हजार
- प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना में चयनित 7307 गांवों में बुनियादी सुविधाओं का निर्माण
- विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, सहरिया और भारिया परिवारों की 2.14 लाख से अधिक महिला हितग्राहियों को पोषण आहार के लिए प्रतिमाह ₹1500 का आहार अनुदान

- सभी जनजातीय विकासखंडों में 'सिकल सेल उन्मूलन मिशन' लागू
- 'मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम' योजना में जनजातीय गांवों में सीधा पहुंच रहा राशन
- पारंपरिक जनजातीय शिल्पकलाओं को आजीविका से जोड़ने के लिए चयनित जनजातीय कला/उत्पादों की जी.आई. टैगिंग, गोंड पेंटिंग को जी.आई. टैग प्राप्त
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ₹170 करोड़ की लागत से खरगोन में क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय का शिलान्यास
- सागर में रानी अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय की स्थापना का निर्णय
- नई शिक्षा नीति में वीरांगना रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई लोधी की वीरगाथा को पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने का निर्णय
- छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय को राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय के रूप में मिली पहचान

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11075-24 आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP #Singrampur_MP मध्यप्रदेश शासन

संपादकीय

डेरों के सियासी फेरे

राजनीति में धार्मिक भावनाओं और धर्मस्थलों का हमेशा से प्रभाव हमेशा से रहा है। प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से ये चुनाव के नतीजों पर भी असर डालते रहे हैं। पंजाब व हरियाणा में डेरों का भी ऐसा ही महत्व है। हाल के हरियाणा चुनाव में इनका जिक्र खूब उभर रहा है। आज यहां वोट भी डाले जा रहे हैं। यही कारण है कि सभी राजनीतिक दलों ने चुनाव के दौरान डेरों के फेरे भी लगाए हैं। सभी राजनीतिक पार्टियां किसी न किसी रूप में इन डेरों के संपर्क में देखी गई। वजहें साफ रहीं क्योंकि इन डेरों के पास अपना बड़ा वोट बैंक है। डेरों का रुझान राजनीतिक दलों की दशा-दिशा बदलने की क्षमता रखता है। इसीलिये हाल में जब बाबा राम रहीम को फिर से पेरोल दी गई तो कई तरह की चर्चा चलीं। हरियाणा विधानसभा चुनाव के समय गुरमीत राम रहीम के पैरोल पर बाहर आने पर स्वाभाविक ही सवाल उठे। क्योंकि एक ऐसा व्यक्ति, जो हत्या और बलात्कार जैसे संगीन जुर्म में उम्रकैद की सजा काट रहा हो, वह बार-बार सलाखों से बाहर कैसे चला आता है, यह बड़ा सवाल है। ऐसा कई बार हो चुका है। अब तक वह करीब दो सौ पचहत्तर दिन पैरोल या फरलो पर बाहर रह चुका है। इसे महज संयोग नहीं कहा जा सकता कि वह प्राय-उन्हीं दिनों जेल से बाहर आया, जब कहीं न कहीं चुनाव चल रहे थे। हालांकि इस बार हरियाणा के निर्वाचन आयोग ने उसे हरियाणा से बाहर रहने को कहा , मगर इतने भर से उसके पैरोल पर सवाल उठने बंद नहीं हो जाते। करीब महीना भर पहले ही पैरोल पर रह कर वह जेल गया था। पूछा जा रहा है कि एक तरफ संगीन मामलों में सजायाफ्ता कैदी को पैरोल मिल जाता है, वहीं बहुत सारे आरोपियों को जमानत नहीं मिल पाती। बहुत सारे कैदियों को नितांत आकस्मिक स्थितियों में भी पैरोल नहीं मिल पाती। क्या राम रहीम के लिए जेल नियमावली अलग है। बताया जाता है कि राम रहीम का हरियाणा के कुछ जिलों में खासा प्रभाव है। तो क्या वह हर बार अपने अनुयायियों को कोई राजनीतिक संदेश देने बाहर आता है? इससे पहले वह हरियाणा नगर निकाय चुनाव के समय तीस दिन की पैरोल पर बाहर आया था। आदमपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले उसे चालीस दिन की पैरोल मिली थी। हरियाणा पंचायत चुनाव से पहले भी उसे पैरोल मिली थी। यही नहीं बल्कि राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले उसे उनतीस दिन की फरलो दी गई थी। इस तरह बार-बार उसके जेल से बाहर आने पर राज्य सरकार की मंशा पर उचित ही सवाल उठ रहे हैं। इसी तरह गुजरात में बिलकिस बानो के बलात्कारियों को भी पैरोल और फरलो पर बार-बार बाहर भेजा जाता रहा और अंततः केंद्र की सहमति से राज्य सरकार ने उनकी सजा माफ कर दी थी। मगर देशव्यापी बहस व सर्वोच्च न्यायालय की फटकार के बाद फिर उन्हें जेल भेजा गया। इन सभी उदाहरणों से लगता तो यही है कि अब शायद सरकारों को कानून की तो कोई परवाह नहीं रह गई है, वे लोकलाज और राजनीतिक मर्यादा को ताक पर रख चुकी हैं। कई चुनावों में यह साबित भी हो चुका है। उल्लेखनीय होगा कि पिछले दिनों पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला के एक शोध में कहा गया था कि अकेले पंजाब की ही कुल जनसंख्या का 70 फीसदी हिस्सा किसी न किसी डेरे में आस्था रखता है। राज्य में एक हजार से अधिक बड़े-छोटे डेरे हैं। उनके अनुयायी व समर्थक विदेश तक फैले हुए हैं।

> जिसको साधारण रूप से विराग कहा जाता है, वह केवल अनुराग के केन्द्र को बदलने का दूसरा नाम है।
> – भगवतीचरण वर्मा

मोदी भारत की चोरी हुई विरासत को बचा रहे ,खोई हुई पहचान वापस ला रहे

■ मीनाक्षी लेखी

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत इसकी राष्ट्रीय पहचान का एक महत्वपूर्ण घटक है. देश में कलाकृतियों की फिर से वापसी और वैश्विक सहयोग की दिशा में चल रहे प्रयास भविष्य के लिए आशा का प्रतीक हैं।

विष्णु पुराण में भारत के बारे में इस श्लोक में बड़ी सुंदरता से व्यक्त किया गया है-उत्तरं यत्समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्-वर्ष तद् भारतं नाम भारती यत्र संततिः॥ समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में. उस भूमि को भारत कहा जाता है, जहाँ भरत के वंशज रहते हैं।यह न केवल हमारे राष्ट्र की प्राकृतिक सीमाओं को रेखांकित करता है, बल्कि भारतीय सभ्यता के समृद्ध ऐतिहासिक ताने-बाने की मार्मिक याद भी दिलाता है, जो 5,000 वर्षों से भी अधिक समय से चला आ रही है। भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है; यह संस्कृतियों, दर्शन और आध्यात्मिक परंपराओं का एक अनूठा मिश्रण है जो सहस्राब्दियों से पनप रहा है. कल्चर के लिए भारतीय शब्द संस्कृति है. अनादि काल से, भारतीयों ने अपनी संस्कृति को मानव धर्म या ÷मानव संस्कृति÷ के रूप में माना है, जो मानवता के साथ एक आंतरिक संबंध को दर्शाता है. संस्कृति में सामूहिक तरीके शामिल हैं जिसमें व्यक्ति और समूह सोचते हैं, महसूस करते हैं, अपने जीवन को व्यवस्थित करते हैं और अपने अस्तित्व के प्रति आनंदित होते हैं. यह हमारी पहचान को आकार देता है, हमारे मूल्यों, दृष्टिकोणों और सामाजिक विकास को प्रभावित करता है।

प्राकृतिक आपदाओं और बाहरी आक्रमणों से कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, भारत तन्यक है ङ्क जो कि हमारी सांस्कृतिक निरंतरता और विकास की स्थायी शक्ति का एक प्रमाण है. जबकि हम अपने तन्यकता की सराहना करते हैं, तो वहीं यह भी चिंताजनक है कि भारत ने सैकड़ों वर्षों की निर्बाध लूट की वजह से अपनी बहुत सी अमूल्य विरासत खो दी है. सदियों से, विदेशी आक्रमणकारियों और भाड़े के सैनिकों ने देश के खजाने को लूटा, जिससे अमूल्य कलाकृतियाँ और स्मारक नष्ट हो गए. सदियों से हुई भीषण लूट के बावजूद भारत को ÷सोने की चिड़िया÷ कहा जाता है, जो आज भी इसकी पहचान बना हुआ है और यह भारत की विरासत की समृद्धि को सटीक रूप से दर्शाता है, जिस पर बहुतों की नज़र रही है।भारत की सांस्कृतिक विरासत को लुटेरों, साम्राज्यवादियों और बाद में संगठित तस्करों के नेटवर्क के माध्यम से व्यवस्थित रूप से लूटा गया है. हजारों प्राचीन और मध्यकालीन मूर्तियाँ और कलाकृतियाँ, जो कभी राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक थे, अब विदेशों में सार्वजनिक संग्रहालयों में और निजी संग्रह के रूप में मौजूद हैं. यूनेस्को के अनुमानों के अनुसार, भारतीय मंदिरों से चुराई गई लगभग 50,000 कलाकृतियाँ वर्तमान में संग्रहालयों या निजी हाथों में संग्रह के रूप में हैं. वास्तविक संख्या बहुत अधिक होनी चाहिए क्योंकि न तो सभी चोरियाँ दर्ज की जाती हैं और न ही सभी कलाकृतियां कानूनी दस्तावेजों के माध्यम से प्रदर्शित किए या बेचे और हस्तांतरित किए जाते हैं. ये केवल दर्ज किए गए आंकड़े हैं। जबकि ये कलाकृतियां उनके कमरों के कोनों में सुसज्जित होती हैं, लेकिन वे भारतीय लोगों के लिए एक गहरी सांस्कृतिक पहचान और विरासत का प्रतीक हैं. क्योंकि बहुत सारी मूर्तियाँ मंदिरों से हैं, वे देवी-देवताओं की मूर्तियां हैं और उस समुदाय के लिए उनका एक आंतरिक विरासती मूल्य है. उदाहरण के लिए, कोहिनूर हीरे को इसके नाम से जाने जाने के पूर्व इसका इतिहास एक हज़ार साल से

भी पुराना है। मुर्गी के अंडे के आकार का हीरा जो कि मूल रूप से मंदिर की संपत्ति थी, वह शुरू में कई राजवंशों के हाथों से होकर गुज़री. लेकिन फारसी आक्रमणकारी नादिर शाह के हाथों में आने के बाद, इसे कोहिनूर नाम दिया गया. प्रसिद्ध गुलाबी हीरे ने काफी विवादों को जन्म दिया क्योंकि यह भगवान तिरुपति के आभूषणों का हिस्सा थे. और कलादि पन्ना शिलिंग कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जिनमें समुदाय द्वारा दिए गए मात्र मौद्रिक मूल्य से कहीं ज़्यादा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है. सामाजिक तुलना और स्वामित्व के तरीके ही इन स्पष्ट अंतरों को प्रकाश में लाएंगे।जब संबंधित देशों के कानूनी इतिहास और मामलों का विश्लेषण किया जाता है तो ये तथ्य विशेष रूप से प्रासंगिक हैं. इस मामले में कानून का हवाला महामहिम बनाम भगवान शिव नामक मामले से दिया जा सकता है। इस प्रकार ब्रिटिश कानून ने भी माना है कि ÷भगवान की मूर्ति, हमेशा भगवान की मूर्ति रहती है. एक मूर्ति हमेशा एक कानूनी व्यक्ति बनी रहती है, चाहे उसे कितने भी समय तक के लिए जमीन के नीचे दबा दिया जाए या क्षतिग्रस्त कर दिया जाए, क्योंकि भगवान और उसकी कानूनी इकाई उसके सांसारिक रूप के पूर्ण विनाश के बाद भी जीवित रहती है.÷ महामहिम बनाम भगवान शिव के मामले में पुरातत्वविद् आर नागास्वामी के प्रयासों के कारण चोल वंश की कांस्य प्रतिमा वापस मिली थी।निराशाजनक रूप से, इनमें से कई वस्तुओं को सामान्य ÷एशियाई कलाकृतियों÷ के रूप में गलत तरीके से वर्गीकृत किया जाता है, जिससे उनकी उत्पत्ति और उनसे जुड़ी कहानियाँ मिट जाती हैं. सांस्कृतिक विरासत की चोरी केवल खोई हुई पहचान का मुद्दा नहीं है; यह राष्ट्रीय स्वाभिमान और इतिहास से जुड़ाव को भी कमज़ोर करती है. तस्करी को सुविधाजनक बनाने के लिए अक्सर श्रद्धा वाली वस्तुओं को विकृत कर दिया जाता है, और उनके मूल समुदायों के उचित दावों को रोकने के लिए उनकी पहचान बदल दी जाती है। स्वतंत्रता के बाद, भारत ने पुरावशेषों के निर्यात से निपटने के लिए कई विधायी उपाय किए, जिनमें 1947 का पुरावशेष (निर्यात नियंत्रण) अधिनियम और 1958 का प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम शामिल हैं. 1972 के पुरावशेष और कला खजाने अधिनियम का उद्देश्य चल सांस्कृतिक संपत्ति को विनियमित करना था।

हालाँकि, इन कानूनों में सांस्कृतिक कलाकृतियों के देश में वापस लाने के लिए मजबूत तंत्र का अभाव था, जिससे अक्सर तस्करी को अनियंत्रित रूप से जारी रखने की सुविधा मिल जाती थी. इन वस्तुओं की चोरी को साबित करना भी मुश्किल है क्योंकि भारत से बाहर ले जाए जाने के समय पैतृक या विरासतीय अधिकार स्थापित नहीं हो सकते हैं. इस तथ्य के अलावा कि भारत पर आक्रमण किया गया, गुलाम बनाया गया और स्वतंत्रता के बाद कानूनी प्रक्रिया में कई खामियाँ मौजूद थीं। निराशाजनक और आश्चर्यजनक बात यह है कि आजादी के बाद से 2014 तक चोरी की गई केवल 13 कलाकृतियाँ वापस लाई गईं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की चोरी और लूटी गई सांस्कृतिक विरासत को बचाने का बीड़ा उठाया है, जिसे देश से बाहर तस्करी करके ले जाया गया था. इस संबंध में, 26 जुलाई 2024 को हस्ताक्षरित यूएस-भारत सांस्कृतिक संपत्ति समझौता एक अत्यंत प्रासंगिक समझौता है और मोदी 2.0 के दौरान वर्षों के काम का परिणाम है. इन प्रयासों का एक परिणाम 297 मूर्तियों की 'घर वापसी' थी, जिन्हें पिछले सप्ताह पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान भारत को सौंप दिया गया था। 10वीं-12वीं ई. शताब्दी की बलुआ पत्थर की अप्सरा, तीसरी-चौथी शताब्दी ई. की पूर्वी भारत की टेराकोटा फूलदान और पहली शताब्दी ई.पू. की दक्षिण भारतीय पत्थर की मूर्ति, वापस की गई कलाकृतियों में शामिल थीं. पीएम मोदी की पिछली अमेरिकी यात्राएं 2021 में 157 पुरावशेषों की वापसी के साथ हुई थीं; इनमें प्रसिद्ध कांस्य नटराज प्रतिमा शामिल है, जो 12वीं शताब्दी ई. की है; और 2023 की यात्रा से 105 पुरावशेष शामिल हैं. जल्द ही वापस की जाने वाली कलाकृतियाँ सांस्कृतिक विरासत की वकालत करने वालों की जीत का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है और इससे वापस आने वाले कुल पुरावशेषों की संख्या को बढ़कर 640 हो जाएगी।

नीतिगत स्तर पर, पिछले साल भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत, सांस्कृतिक संपत्ति संरक्षण का मुद्दा एक प्रमुख विषय के रूप में उभरा, जिसकी परिणति काशी संस्कृति पथ में हुई जो कि एक ऐसी पहल थी जिसने सांस्कृतिक संपत्ति की अवैध तस्करी से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समर्थन प्राप्त किया. 2023 के नई दिल्ली नेताओं की घोषणा ने राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रयासों को मजबूत करने के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता की पुष्टि की ताकि सांस्कृतिक कलाकृतियों को उनके मूल देशों में वापस लाया जा सके और उन्हें वापस किया जा सके. संस्कृति के जी-20 मंत्रियों की रोम घोषणा को अपनाया गया, जिसमें ÷लूट और अवैध तस्करी सहित सांस्कृतिक संसाधनों के लिए खतरों÷ को मान्यता दी गई। पीएम मोदी ने सांस्कृतिक विरासत के प्रत्यावर्तन की एक मजबूत नीति के लिए मुखर रूप से जोर दिया है. दुनिया को उन खजानों के प्रत्यावर्तन के रास्ते में आने वाली बाधाओं पर विचार-विमर्श करना होगा जो न केवल आर्थिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं बल्कि देश के सांस्कृतिक लोकाचार से भी जुड़े हैं।

-साभार: यह लेखक के विचार हैं।

आज का इतिहास

- 1723- पेन्सिल्वेनिया विश्वविद्यालय के भावी संस्थापक बेंजामिन फ्रेंकलिन 17 साल की उम्र में फिलाडेल्फिया पहुंचे।
- 1762-ब्रिटिश सैनिकों ने फिलीपींस के मनीला पर क़ब्ज़ा किया।
- 1862-भारतीय दंड संहिता कानून पारित हुआ और एक जनवरी से लागू हुआ।
- 1919-तांबुलीस्की बुल्गारिया के प्रधानमंत्री बने।
- 1935-भारत में 32 साल के सबसे लंबे समय तक अंपायरिंग करने वाले जीवन डी. घोष का बंगाल में जन्म हुआ।
- 1946-हिन्दी फ़िल्म अभिनेता विनोद खन्ना का जन्म।
- 1957-सोवियत संघ ने नोवाया ज़ेमल्या में परमाणु परीक्षण किया।
- 1963-पंजाब के स्वतंत्रता सेनानी ग्रैंड ओल्ड मैन बाबा खड़क सिंह का जन्म।
- 1972-मेक्सिको में ट्रेन पटरी से उतरने से 208 लोगों की मौत।
- 1980-गुयाना ने संविधान को अंगीकार किया।
- 1981-काहिरा में सैनिक परेड के दौरान एक सैनिक समूह द्वारा मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात की हत्या।
- 1983-पंजाब में राष्ट्रपति शासन लगाया गया।
- 1987-फिजी एक गणराज्य घोषित हुआ।
- 1994-यूनेस्को ने वर्ष 1995 को संयुक्त राष्ट्र सहिष्णुता वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की।
- 1995-दो स्विस वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के सौर व्यवस्था के बाहर गृह की पहली बार पहचान की।
- 1999-संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण सम्मेलन आस्ट्रेलिया की राजधानी वियना में प्रारम्भ।
- 2000-इज़रायली पुलिस द्वारा अलअक्सा मस्जिद में जबरन प्रवेश के बाद हिंसा शुरू।

निशाना

मनोरंजन भरपूर!

- कृष्णेन्द्र राय

राजनितिक उथल-पुथल ।
बदल रही तस्वीर ।।
हर पल नया घट रहा ।
लगे हैं सारे वीर ।।
बदलेगी सरकार लगता ।
है ऐसी सुर ताल ।।
हैं बेचैन सारे ।
करने को कमाल ।।
घटनाक्रम कुछ ऐसा ।
मनोरंजन भरपूर ।।
दिख जाएगा खेला ।
पल नहीं वो दूर ।।
बोल बचन सबका ।
है चढ़ा परवान ।।
हटा न कोई पीछे ।
सब डटे मैदान ।।

आजादी के अमृतकाल में रानी दुर्गावती के विचारों की प्रासंगिकता

(वीरांगना रानी दुर्गावती जयंती पाँच अक्टूबर पर विशेष)

■ हितानंद शर्मा

मध्य भारत की सुनहरी भूमि पर स्थित कालिंजर के किले में चन्देल वंश में उत्पन्न महारानी दुर्गावती की शौर्य गाथा से पूरा भारत परिचित है। रानी दुर्गावती के शासनकाल में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष नामक चारों पुरुषार्थ विद्यमान थे और आकाश-वायु-अग्नि आदि पञ्चमहाभूत सन्तुलित होकर माता वसुन्धरा के संरक्षण व संवर्धन करने को लालायित थे। प्रजा खुशहाल थी और अर्थव्यवस्था समृद्धि की हिलोरें मार रही थी। चन्दन से महात्माओं का अभिनन्दन और मन्दिरों में पुष्पों से प्रभु का वन्दन होता था। उनकी इन्हीं विशेषताओं के कारण आज आजादी के अमृतकाल में रानी दुर्गावती के 500वें जन्मदिवस के समय गोंडवाना क्षेत्र में रानी दुर्गावती का जीवनवृत्त बच्चे-बच्चे की मुंहबोली शौर्यगाथा बन चुका है।

नवरात्र में जन्मी (तिथि-05 अक्टूबर, 1524, स्थान-कालिंजर दुर्ग) रानी को माता भगवती की विशेष अनुकम्पा जानकर ही महाराजा कीरत सिंह ने अपने ज्योतिषाचार्यों से विचार-विमर्श करने के पश्चात् उस कन्या का नाम दुर्गावती रखा था, जो खेलने-कूदने की अल्पायु में ही शस्त्रास्त्रों में अपनी रुचि देखने लगी थी। इस सन्दर्भ में प्रो. चित्रभूषण श्रीवास्तव जी की कुछ पंक्तियाँ उद्धृत करने योग्य हैं ङ्क÷पन्द्रह सौ चौबीस में जन्मी वो चन्देलों की शान थीं। कालिंजर राजा की बेटी वो इकलौती सन्तान थीं । दुर्गाष्टमी अवतरण दिवस दुर्गा का ही अवतार थीं, थर्राये मुगलों की सेना ऐसी भीषण ललकार थी।÷

गोंडवाना रानी के राज्य की विदेशनीति तथा उनके निर्णयों में राज्य की सम्प्रभुता, स्वतन्त्रता तथा सामाजिक समरसता को सदैव ध्यान में रखा गया था। सम्प्रति, रानी दुर्गावती के 500वें जन्मवर्ष में उनके ये विचार आधुनिक भारतीय लोकतन्त्र के लिए अवश्य ही प्रेरक हैं, क्योंकि जब समूचा विश्व दो गुटों में बंटा हुआ है, तो प्रजा के कल्याण हेतु ऐसे कठिन निर्णय लेने होते हैं, जो राज्य की सम्प्रभुता, अक्षुण्णता और स्वतन्त्रता को ठेस न पहुंचावे। रानी दुर्गावती ने मुगल आक्रान्ता अकबर को उसी की भाषा में प्रत्युत्तर दिया, जबकि वे मुगल सैन्य शक्ति से भली-भाँति परिचित थी। वे अपने राज्य की विदेशनीति और आन्तरिक सुरक्षा हेतु अपनी गुप्तचर संस्था के साथ नियमित रूप से बैठती थीं, जैसाकि वर्तमानकाल में किसी देश का प्रधानमन्त्री अपनी गुप्तचरसंस्था के साथ बैठक करता है और अपनी विदेशनीति व कूटनीति को कार्यान्वित करता है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि समसामयिक सन्दर्भ में महारानी दुर्गावती की विदेशनीति विषयक विचार अतिप्रासंगिक हैं। विख्यात शासिका दुर्गावती ने गोंडवाना राज्य के रामनगर, नयनपुर, कंजरिया, कांजीवाडा, लांजी, धूमा, कतंक, बैहर, डिंगैरी, कोतमा, गाडरवारा, बनखेडी, सोहागपुर, मैहर, गैरतगंज, भेलसा, गंजबसौदा, रायसेन, सिरौंज, भोजपाल, सिहोरा, पनानगर आदि क्षेत्रों में सुव्यस्थित जलापूर्त्ति व जलनिकास हेतु अनेक तालाब, नहर, बावली, कुओं आदि का निर्माण कराया था। तात्कालिक परिस्थिति में यह कार्य निःसन्देह प्रजाकल्याण हेतु सराहनीय प्रयास था, किन्तु सम्प्रति, जब महारानी दुर्गावती का 500वाँ जन्मदिवसवर्ष है, तो जलवायु परिवर्तन के इस काल में तत्सदृश जलापूर्त्ति व निकास व्यवस्था प्रासंगिक सी लगती है। वर्तमान जबलपुर के परिक्षेत्र में यह भी प्रसिद्ध है कि इस क्षेत्र में लोककल्याणार्थ रानी ने 52 तालाबों का निर्माण कराया था। जिससे वर्षा के जल का संरक्षण और भू-जल की आपूर्त्ति सुनिश्चित हो सके। इस समय, सकल विश्व स्वच्छ जल की उपलब्धता हेतु संघर्षरत है, जल बचाने की बातें प्रतिदिन हम सोशल मीडिया के माध्यम से देखते हैं, ऐसे में महारानी दुर्गावती के जलापूर्त्ति सम्बन्धी विचार और भारत के विविध क्षेत्रों में नहर, तालाब, कुओं आदि का निर्माण समृद्ध भारत के पुनर्निर्माण (आजादी के अमृतकाल) में निश्चित ही प्रेरक सिद्ध होंगे।

महारानी दुर्गावती ने धार्मिक समन्वय स्थापित करने हेतु भी अनेक सफल प्रयास किये थे, जिसके कारण विविध मताबलम्बियों में परस्पर गतिरोध न होते हुए समन्वय स्थापित हुआ था। महारानी दुर्गावती अपने धर्म के प्रति भी पूर्णरूपेण समर्पित रहती थीं। उन्होंने हिन्दू देवी-देवताओं के विभिन्न मन्दिरों का निर्माण कराया था और अनेक मन्दिरों में प्रभु श्रीराम, भद्रकाली, विष्णु भगवान् आदि देवताओं की प्रतिमा स्थापित कर धार्मिक सद्भावना का सन्देश दिया था। इस सम्बन्ध में प्रख्यात ÷महारानी दुर्गावती÷ नामक ग्रन्थ उल्लेखनीय है, जिसमें रानी दुर्गावती द्वारा निर्देशित बीरबल द्वारा शैक्षणिक कार्य, गोदान, अन्नदान, मन्दिरों व विद्यालयों के निमित्त भूदान आदि का वर्णन है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, जब एक ओर कट्टरवादी ताकतें गिद्धमुख किये भारतीय संस्कृति को निहार रही हैं, तो दूसरी ओर भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र ÷समन्वय और समरसता÷ की भावना द्वारा इनको परास्त करना अत्यावश्यक है, जोकि महारानी की राजनीति में दृष्टिगोचर होता था। क्योंकि किसी देश की महानता और उसकी समृद्धि में समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग अपेक्षित होता है और सभी के समन्वय व सहयोग से ही कोई राष्ट्र उन्नति के मार्ग पर प्रशस्त होता है।

रानी दुर्गावती मात्र अधिकारियों के द्वारा प्रदत्त जानकारी पर आश्रित होकर प्रजा को शासित नहीं करती थीं, अपितु वे अपना वेश बदलकर जनता की नब्ज टटोलती थीं। वे सामान्य प्रजा के मध्य जाकर उनकी रोजमर्रा की जिन्दगी में आने वाली चुनौतियों को प्रजा के द्वारा ही सुनती थी और उन चुनौतियों का तत्काल अथवा राजदरबार के माध्यम से निवारण किया करती थीं। जैसाकि एक शासक को अपन गुप्तचरों के माध्यम से ऐसा करना चाहिए, या स्वयं ही औचक निरीक्षण के माध्यम से सत्य का ज्ञान करना चाहिए।

(लेखक-भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं)

बिना लाइसेंस के चल रहीं किराना दुकानों पर अधिनियम के तहत कार्रवाई की...

खाद्य दुकानों का औचक निरीक्षण एवं कार्रवाई की गई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने 04 अक्टूबर शुक्रवार को, इटारसी स्थित पंजाबी मोहल्ला में शासकीय अस्पताल के सामने खाद्य दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों कमलेश एस. दियावार और जितेंद्र सिंह राणा के दल द्वारा विभिन्न किराना दुकानों से मुंगफल्ली तेल, सरसों तेल, साबूदाना, रवा, टोस्ट आदि के कुल 10 नमूने जांच के लिए लिए गए हैं। इन नमूनों को गुणवत्ता जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान 'दशमेश किराना स्टोर' बिना लाइसेंस के संचालित पाया गया। इस पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 31 के अंतर्गत कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। प्रशासन के निर्देशानुसार, त्योहारों के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच नियमित रूप से की जा रही है और यह प्रक्रिया सतत जारी रहेगी। सभी नागरिकों से अपील है कि वे खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करें और किसी भी अनियमितता की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें।

309 आंगनबाड़ी केंद्रों पर हुआ कन्या पूजन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

महिला एवं बालिका सशक्तिकरण हेतु शक्ति अभिनंदन कार्यक्रम 2 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक प्रतिदिन अलग-अलग गतिविधियां के साथ आयोजित की जाना है। इसी के चलते आज सिवनी मालवा परियोजना की समस्त 309 आंगनबाड़ी केंद्रों में कन्या पूजन किया गया एवं ब्लॉक स्तर पर विद्यालय नेहरू स्कूल में महिला शक्ति पर पेंटिंग की गई एवं उपस्थित बच्चों को शक्ति अभिनंदन कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान प्रभारी परियोजना अधिकारी रेखा यदुवंशी द्वारा कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई पर्यवेक्षक आसमा खान मैडम द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया एवं बच्चों को प्रेरित किया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राजदा बबीता मेहरा उपस्थिति रही।

नशा मुक्त भारत अभियान: मास्टर वॉलिंटियर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय के रेवा सभा कक्ष में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नर्मदापुरम द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय एक दिवसीय मास्टर वॉलिंटियर्स का प्रशिक्षण एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अपर कलेक्टर नर्मदापुरम डी के सिंह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले भर के 50 वॉलिंटियर्स ने नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त किया और शपथ ग्रहण की। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा नशा मुक्ति के लिए कार्यान्वयन रणनीति, नशे के प्रकार, नशे की प्रवृत्ति को छुड़ाने के उपाय, नशा मुक्ति से संबंधित आवश्यक डेटा की जानकारी को पीपीटी के माध्यम से वालंटियर्स को अवगत कराया गया।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर डीके सिंह ने कहा कि सभी मास्टर ट्रेनर्स एवं वॉलिंटियर्स द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के लिए किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति के लिए किए गए प्रयास कभी-कभी परिवार वाले भी नहीं कर पाते हैं। सिटी मजिस्ट्रेट एवं डिप्टी कलेक्टर बृजेंद्र रावत ने समस्त वॉलिंटियर्स को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति की नशे की प्रवृत्ति न सिर्फ उसकी आर्थिक स्थिति पर बल्कि मानसिक स्थिति पर भी विपरीत प्रभाव डालती है। उन्होंने वॉलिंटियर्स के कदमों की सराहना की और कहा कि नशे की लत से छुड़ाने के लिए उनके उठाए गए कदम न केवल उस व्यक्ति को लाभान्वित करते हैं, बल्कि उसके समस्त परिवार को भी इसका लाभ मिलता है।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस 2 अक्टूबर से 11 तक विभिन्न गतिविधियां

बेटियों का पूजन व पौधारोपण घरों पर बेटी की नेमप्लेट पर जोर

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

महिला बाल विकास विभाग परियोजना सिवनी मालवा के सेक्टर सतवासा में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस 2 अक्टूबर से 11 तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाना है जिसमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत कार्यक्रम किए जाने हैं। इसी के चलते ग्राम धरम कुंडी में आंगनबाड़ी केंद्र में बेटियों का पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई कार्यक्रम में बेटी के नाम का पौधारोपण किया गया सभी माता-पिता के साथ बालिका की सेल्फी ली गई उपस्थित माता को शक्ति अभियान के तहत महिला स्वालंबन एवं सशक्तिकरण पर गांधी जी के विचार सांझा किए गए और उन्हें बताया गया कि गांधी जी का विचार था कि अगर देश के विकास में नारी को ना जोड़ा गया तो देश का विकास की परिकल्पना साकार नहीं हो सकती। इसलिए सदैव महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहकर महिला सशक्त समाज का निर्माण करना चाहिए गांधी जी का विचार था कि प्राचीन काल में कानून बनाने का काम पुरुषों के हाथ में था इसलिए सभी कानून एवं अधिकार उनके हित में बनाए जाते थे महिलाएं

जागरूक रहेगी तो उनके हित में कानून बनाए जाएंगे हमें महिलाओं को प्रशिक्षित करके उन्हें स्वालंबी बनाना चाहिए ताकि वे देश के विकास में अपना योगदान दे सके।

पर्यवेक्षक सुचित्रा राजावत द्वारा बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्रों में 2 से लेकर 11 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रथम दिवस शुरुआत कन्या पूजन पौधारोपण बालिका के नाम तथा बालिका के माता-पिता के साथ सेल्फी से की गई उपस्थित माता को बताया कि आज के समय में हमें सुरक्षित एवं सम्मानजनक समाज का निर्माण करना है जिसके लिए सभी महिलाओं का सहयोग आवश्यक है। बृजेश एवं प्रेमलता के द्वारा पौधारोपण किया गया पूजा गौर एवं प्रेमलता को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया एवं उन्हें अपने घरों पर बालिका की नेम प्लेट लगवाने हेतु प्रोत्साहित किया गया केंद्र पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आशा दामड़े एवं सहायिका कीर्ति गौर का सहयोग रहा इस दौरान अनीता मेहरा सुंदरबाई मेहरा सती बाई धुर्वे प्रेमलता पूजा गौर आशा रेखा केवट कृष्णाबाई आरती गौर किशोरी बालिकाएं कुमारी खुशी कुमारी वर्षा कुमारी पलक कुमारी रोशनी अन्य धुर्वे आराध्या कृतिका प्राची संवि अनुष्का उपस्थिति रही।

आंगनवाड़ी केंद्र में 'शालापूर्व शिक्षा' अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का हुआ आयोजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

आयुक्त नर्मदापुरम संभाग के निर्देशानुसार, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम के मार्गदर्शन में, पर्यवेक्षक आशा भदौरिया के नेतृत्व में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सीमा गोहले द्वारा 'खेल-खेल में शालापूर्व शिक्षा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 31/3 पर विभिन्न गतिविधियाँ बच्चों के लिए निरंतर आयोजित की जा रही हैं। कार्यक्रम में समय सारणी के अनुसार बच्चों को स्वतंत्र खेल, जोड़कर खेलना, बड़े समूह की गतिविधियाँ, अक्षरों की पहचान, चित्रों की पहचान, फल-फूल और सब्जियों की पहचान, बड़े-छोटे का ज्ञान कराना, निशाने लगाना और स्लाइड करना जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को शालापूर्व शिक्षा प्रदान की जा रही है, जिससे उनकी मानसिक और शारीरिक विकास में मदद मिल रही है। आंगनवाड़ी केंद्र का यह प्रयास बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने और उन्हें खेल के माध्यम से सिखाने के लिए महत्वपूर्ण है।

शक्ति अभिनंदन अभियान के तहत रैली का आयोजन

नर्मदापुरम। शुक्रवार को शक्ति अभिनंदन अभियान के तहत रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में महिलाओं से संबंधित तीन नए कानूनों की जानकारी दी गई। ग्वालटोली, नर्मदापुरम में आयोजित इस शहरी परियोजना कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक और वार्ड की महिलाएं सम्मिलित हुईं। रैली का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों और नए कानूनों के प्रति जागरूकता फैलाना। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने उत्साह के साथ रैली में भाग लिया और महिलाओं के सशक्तीकरण का संदेश फैलाया। यह आयोजन समाज में महिलाओं के प्रति सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मेट्रो एंकर इटारसी के गांधी मैदान में वृंदावन के कलाकार कर रहे हैं श्रीराम लीला का मंचन

रामलीला मंचन : श्रीराम का जन्म देख प्रसन्न और ताड़का वध देख रोमांचित हुए दर्शक

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका परिषद के तत्वावधान में गांधी मैदान और वीर सावरकर मैदान पुरानी इटारसी में श्रीराम लीला और दशहरा उत्सव का आयोजन चल रहा है। गांधी मैदान में श्री बालकृष्ण लीला मंडल वृंदावन के कलाकार श्री श्यामसुंदर शर्मा छोटे महाराज के नेतृत्व में लीला मंचन कर रहे हैं। वीर सावरकर मैदान में श्री जगदंबा रामलीला मंडल मैहर के कलाकार मंचन कर रहे हैं।

गांधी मैदान में आज आयोजित श्री रामलीला में मनु-सतरूपा प्रसंग, श्री राम जन्म, विश्वामित्र का आगमन और ताड़का वध तक के प्रसंग का मंचन किया। रामलीला के कलाकारों ने अपने अभिनय से लोगों का मन मोह लिया। मनु-सतरूपा मंचन के अंतर्गत राजा मनु राजपाठ त्याग कर पत्नी सतरूपा के साथ एकांतवास में चले गए। भगवान विष्णु की आराधना में लीन हो गए। पहले फल खाकर, फिर सिर्फ पानी और इसके बाद ओस मात्र पीकर तपस्या शुरू की। तपस्या देख त्रिलोकीनाथ ने बारी-बारी से पहुंचकर उनसे वर मांगने के लिए कहा। इसके बाद भी तपस्या से नहीं उठे। आखिर में ब्रह्मा, विष्णु और महेश तपस्या कर रहे मनु सतरूपा के पास गए। जब वह तपस्या से उठे, तो सबसे भगवान विष्णु को याद किया। विष्णु भगवान ने वरदान मांगने के लिए कहा।

इस पर मनु ने कहा, साक्षात दर्शन से सब कुछ प्राप्त हो गया। वह पुत्र के रूप में पाना चाहते हैं। इस पर भगवान ने तथास्तु कहकर सतरूपा से भी पूछा। इस पर उन्होंने पति की मंशा अनुरूप ही वरदान के लिए बोला। रामलीला के बीच-बीच में मनोरंजन के लिए कुछ पात्रों ने आकर दर्शकों को खूब हंसाया।

श्रीराम जन्म की लीला

दशरथ जी द्वारा पुत्रेष्ठी यज्ञ और श्री राम जन्म की लीला का मंचन में महाराज दशरथ को शोक उत्पन्न होता है। बड़ा राज्य होकर भी एक भी पुत्र नहीं है। उनके मंत्री चिंतित हो जाते हैं और पूछते हैं राजन क्या हुआ। तब महाराज दशरथ कहते हैं कि एक भी पुत्र नहीं है तो महामंत्री सुमंत कहते हैं कि कुलगुरु वशिष्ट के पास जाइए। वशिष्ठ के पास जाते हैं तो वह इस कार्य में पारंगत श्रृंगी ऋषि के पास भेजते हैं। वहां यज्ञ किया जाता है और अग्नि देव प्रसन्न होते हैं और एक फल प्रदान करते हैं, जिससे महाराज दशरथ के यहां चार पुत्रों की प्राप्ति होती है?

विश्वामित्र आगमन और ताड़का वध

श्री रामलीला मंचन के दूसरे दिन श्री बालकृष्ण रामलीला मंडल के कलाकारों ने ताड़का वध प्रसंग का मंचन किया गया। रामलीला देखने आए दर्शकों ने रामलीला का लुफ्त उठाया। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न शिक्षा ग्रहण करने के बाद जब वापस अयोध्या आते हैं, तो वहां विश्वामित्र का आगमन होता है।

वह राम और लक्ष्मण को यज्ञ की रक्षा के लिए अपने साथ ले जाते हैं। विश्वामित्र के साथ श्रीराम व लक्ष्मण उनके आश्रम की तरफ चल देते हैं, तो रास्ते ताड़का दिखती है, तो श्रीराम विश्वामित्र से पूछते हैं कि ये भयानक शरीर वाली कौन हैं तो विश्वामित्र बताते हैं कि यह ताड़का राक्षसी है जो साधु-संत को पकडक़र खा जाती है। इसलिए इसका वध करो, तो श्रीराम ताड़का का वध करते हैं। फिर आश्रम पर पहुंचकर विश्वामित्र के यज्ञ को प्रारंभ कराते हैं।

विश्व पशु दिवस पर विशेष

'पशु संजीवनी 1962' चलित पशु चिकित्सा सेवा के माध्यम से किया जा रहा पशुओं का उपचार

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

शुक्रवार को विश्व पशु दिवस मनाया गया। इस वर्ष की थीम है 'विश्व उनका भी घर है'। यह दिवस पशुओं के कल्याण और संरक्षण के प्रति समर्पित है। पशु केवल इस ग्रह के निवासी ही नहीं हैं, बल्कि हमारे पारिस्थितिकी तंत्र का अभिन्न अंग भी हैं। यह दिन एक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण के लिए उनके अधिकारों को उजागर करता है।

विश्व पशु दिवस का उद्देश्य यह है कि पशुओं के प्रति क्रूरता न की जाए और उनकी उपेक्षा न हो। यह दिन पशुओं के प्रति उचित व्यवहार के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास करता है। हम सभी को पशुओं की रक्षा और देखभाल के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराता है। इस विशेष अवसर पर पशुचिकित्सा विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएँ, नर्मदापुरम, डॉ. संजय अग्रवाल ने बताया कि विभाग द्वारा 'पशु संजीवनी 1962' चलित पशु चिकित्सा सेवा के माध्यम से विशेष रूप से गांवों में जाकर पशुओं के प्रति जागरूकता लाई जा रही है और उनका उपचार किया जा रहा है। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशन में निराश्रित गौवंश के संरक्षण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत निराश्रित गौवंश को अस्थाई आश्रय स्थल में रखा गया है। वहां पर सभी पशुओं का स्वास्थ्य

परीक्षण किया गया और रोगी पशुओं का उपचार किया गया।

विभिन्न ग्रामों में पशुओं की संवेदनशील देखभाल और रखरखाव विषय पर संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं। मनुष्य में पशुपक्षियों के प्रति वात्सल्य, प्यार और संवेदनशीलता जरूरी है। उनकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। आइए, विश्व पशु दिवस पर हम सभी पशुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए उनके प्रति संवेदनशील होने का संकल्प लें। इस आशय की शपथ भी पशुपालकों एवं आमजनों को दिलाई गई।

6 महीने से भी अधिक का समय बीता, नहीं आई गणवेश की राशि

बिना गणवेश के स्कूल जाने को मजबूर छात्र, चल रहा है वेरिफिकेशन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शिक्षा विभाग के जिम्मेदारों की लापरवाही कारण 25000 बच्चे आज भी गणेश के अभाव में स्कूल जाने को मजबूर है । पहले गणेश दी जाती थी इस बार राशि देने की तैयारी की जा रही है। जिसको लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं दूसरी ओर अभी शिक्षा विभाग के जिम्मेदारों के द्वारा स्थानीय स्तर पर वेरिफिकेशन करवाया जा रहा है।

इसके बाद वन क्लिक के माध्यम से सीधी खातों में राशि डालने की प्रक्रिया होगी उसमें कितना समय लगेगा यह निश्चित नहीं है। पर स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि 5 तारीख तक राशि डालने की उम्मीद है हमारे यहां 25000 के करीब बच्चे दर्ज हैं उनकी रिपोर्ट बनाकर हमारे द्वारा वेरिफिकेशन के बाद जिले में भेजी जा रही है और पोर्टल पर भी इनको चढ़ा रहे हैं। इसके बाद इनके खातों में राशि जारी होगी । बी आर सी ओमप्रकाश रघुवंशी के द्वारा कई दिनों से जनपद शिक्षा केंद्र के द्वारा सभी स्कूलों से बच्चों की संख्या लेकर उनका वेरिफिकेशन के उपरांत पोर्टल पर दर्ज करने के लिए शिक्षकों को निर्देशित किया गया है। यह काम शिक्षा विभाग के जिम्मेदार पहले भी कर सकते थे स्कूल प्रारंभ होने के 1 महीने बाद भी राशि डाली जाती तो आज बच्चे गणेश के अभाव में परेशान नहीं हो रहे होते।

हर बार इसी तरह सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को गणेश के लिए परेशान होना पड़ता है पूरा शिक्षा शास्त्र भी जाने के बाद भी कई बार गणेश नहीं मिल पाती है। इस बार व्यवस्था में फिर परिवर्तन करके राशि देने की तैयारी की गई है। उसमें भी अभी कितना समय लगेगा या निश्चित नहीं है शिक्षा विभाग के जिम्मेदार कह रहे हैं उसे हिसाब से जल्दी भी राशि इनके खातों में राशि आ सकती है।

इनका कहना है

वेरिफिकेशन का कार्य चल रहा है जल्दी ही इनके खातों में वन क्लिक के माध्यम से गणेश की राशि ऊपर से ही आएगी।

ओम प्रकाश रघुवंशी बीआरसी

कई महीनो से इंतजार

शिक्षा सत्र प्रारंभ हुई छह महीने का समय बीत गया है समय से बच्चों का वेरिफिकेशन करा कर इन बच्चों के खातों में राशि डालने का प्रयास नहीं किया यह जानबूझकर गरीबों की अनदेखी की जा रही है। इसी का परिणाम है कि सरकार द्वारा योजनाएं तो कहीं चलाई जा रही है पर उनका धरातल पर समय पर पालन नहीं होता है इस वजह से आम जनता को परेशानियों का सामना तो करना ही पड़ता है। दूसरी ओर छोटे-छोटे बच्चों को भी गणेश के लिए परेशान होना पड़ रहा है जून में नवीन शिक्षा शास्त्र प्रारंभ हो गया पर अभी तक ना तो इन स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को गणेश की राशि मिली ना ही गणेश प्रदान की गई है इस वजह से कई बच्चे तो पुरानी फटी हुई ड्रेस में स्कूल जाने को मजबूर है ।क्योंकि अधिकांश सरकारी स्कूलों में गरीब वर्ग के बच्चे ही पढ़ते हैं । इस वजह से शिक्षा विभाग के जिम्मेदारों के द्वारा उनकी तरफ विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है फिर जानबूझकर इनकी अनदेखी की जाती है।

नगर के हाल भी ग्रामीण क्षेत्र से बुरे, भवानी नगर में गंदगी से लोग परेशान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगरीय क्षेत्र में भी ग्रामीण क्षेत्र से बुरी तस्वीर है देखने को मिल रही है। भवानी नगर में टावर के पास में रहने वाले गरीब वर्ग के लोगों को गंदगी में शराबोर होकर प्रतिदिन आना जाना पड़ता है। इनके घरों तक जाने रास्ते पर भी बरसात खत्म होने के बाद भी घुटनों घुटनों से ऊपर पानी जमा हो रहा है ,यहां के खाली प्लाटों में भी गंदगी भरी हुई है इस वजह से मच्छरों के साथ डेंगू के लक्षण भी यहां पर दिखाई दे रहे हैं। इसकी जानकारी होने के बाद भी पालिका प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है या जानबूझकर गरीबों की अनदेखी की जा रही है।अवैध कॉलोनी बताकर गरीबों की सुनवाई नहीं हो रही है। दूसरी ओर कई अवैध कॉलोनी में सड़क नाली बनाने का काम किया जा रहा है यदि अवैध कॉलोनी है तो जिस व्यक्ति के द्वारा कॉलोनी कटी गए इसके खिलाफ कार्रवाई करके यहां पर सड़क और नाली बनवाने का काम किया जाना चाहिए पर ऐसा नहीं हो रहा है। साथ ही बरसात का जो पानी यहां पर जमा हो रहा है उसको निकलवाने के लिए भी कार्य नहीं किया जा रहा है। जबकि एसडीएम के द्वारा डेंगू को लेकर विशेष रूप से सफाई अभियान चलाकर उसे मुक्ति दिलाने के लिए धरातल पर काम करने के लिए निर्देशित किया है। एसडीएम को भी गुमराह करने का काम नगर पालिका प्रशासन कर रहे हैं तभी तो इस तरह की तस्वीर सामने आ रही है।

इनका कहना है –

गंदा पानी जमा हो रहा है तो दिखवाकर हम इसको निकलवाने का इंतजाम करेंगे।

राम प्रकाश साहू नगर पालिका अधिकारी

ग्यारसपुर एवं बासौदा अनुविभाग क्षेत्र के ग्रामों का किया भ्रमण

कलेक्टर ने भ्रमण कर खाद वितरण व्यवस्थाओं का जायजा लिया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने शुक्रवार को ग्यारसपुर एवं बासौदा अनुविभाग क्षेत्र के ग्रामों का भ्रमण कर क्रियान्वित शासकीय योजनाओं की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया है। कलेक्टर श्री सिंह ने भ्रमण के दौरान खासकर सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से प्रदाय किए जाने वाले खाद वितरण व्यवस्था व भण्डारण इत्यादि का स्थलीय भ्रमण कर अवलोकन किया है। भ्रमण के दौरान समिति प्रबंधको को उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि खाद वितरण व्यवस्था पूर्ण पारदर्शी और सुलभ हो। वितरण व्यवस्था में कहीं भी त्रुटि ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए। यदि किसानो अथवा अन्य स्त्रोतो से खाद वितरण व्यवस्था में गडबडी सूचनाएं प्राप्त हुई तो संबंधितों पर आर्थिक व कठोर दण्डात्मक दोनो कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने लगधा सेवा सहकारी समिति का भी निरीक्षण किया। समिति प्रबंधक के सेवानिवृत्त हो जाने पर उक्त समिति के संचालन हेतु वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर त्योंदा की समिति से कर्मचारी की तैनाती सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने त्योंदा क्षेत्र के भ्रमण दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, तहसील कार्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति सोसायटी व खाद गोदाम का भी अवलोकन किया है। उन्होंने स्कूल के निरीक्षण के दौरान कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों से संवाद कर शैक्षणिक गुणवत्ता के स्तर का जायजा लिया है। उन्होंने चर्चा के दौरान विषय के अनुरूप कैसे तैयारी करें पर विद्यार्थियों को संक्षिप्त मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे हर रोज स्कूल आएं। शैक्षणिक संस्था में उपलब्ध, कम्प्यूटर लैब, पुस्तकालय का अधिक से अधिक दोहन करने की सीख विद्यार्थियों को देते हुए उन्होंने उपरोक्त स्थलो का भ्रमण कर जायजा लिया है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को डिजीटल के माध्यम से शिक्षा देने के निर्देश संस्था प्राचार्य को दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने तहसील कार्यालय का भी जायजा लिया और संपादित किए जा रहे राजस्व कार्यो की जानकारी प्राप्त की। यहां उन्होंने मरम्मत संबंधी कार्य कराए जाने के निर्देश दिए है। इसी प्रकार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का भी जायजा लिया और अस्पताल में कई महीनो से आपरेटर नहीं होने से एक्सरे मशीन बंद पाए जाने पर टेक्निशियन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर के निरीक्षण भ्रमण के दौरान ग्यारसपुर एवं बासौदा एसडीएम के अलावा विभिन्न विभागो के खण्ड स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण तथा खाद्य सामग्री की जांच कर सैंपल लेने की कार्यवाही जारी

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा विदिशा जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों से विक्रय होने वाले खाद्य पदार्थों की जांच निरीक्षण कार्य हेतु निर्देशित किया गया है। प्राप्त निर्देशों के परिपालन में आज खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री संदीप वर्मा के द्वारा खरवई ग्राम स्थित शर्मा ढाबा का औचक निरीक्षण कर सीएम हेल्पलाइन तहत प्राप्त शिकायत की जांच अनुसार दाल-बाफले का सैंपल एकत्रित कर जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भेजे जाने की कार्यवाही की गई है। इस दौरान ढाबा संचालक को साफ-सफाई रखने तथा शुद्ध भोजन सामग्री निर्माण कर ग्राहकों को विक्रय करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा अधिकारी निरीक्षण दल द्वारा गंजबासौदा एवं कुरवाई में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर दाल, चावल, घी, मसालों के नमूने लिए गए। उक्त सभी खाद्य पदार्थ जांच हेतु लैब भेजे गए हैं जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

जिला चिकित्सालय में निःशुल्क हो रही 6- 7 हजार में होने वाली सीटी स्कैन जांच

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा प्रायवेट सीटी स्कैन सेंटर पर मरीजों की छह से सात हजार रुपये में होने वाली सीटी स्कैन जांच विदिशा के जिला चिकित्सालय में बेहद कम कीमतों पर हो रही हैं और यदि कोई मरीज आयुष्मान कार्ड या बीपीएल धारक है तो यहां उनकी सीटी स्कैन जांच फ्री में हो जाती है, जो गरीब और असहाय लोगों के लिए आर्थिक दृष्टि से सुविधाजनक साबित हो रही है।

जबकि आयुष्मान कार्ड और बीपीएल कार्ड ना होने पर भी जिले के अन्य मरीजों की सीटी स्कैन बाजार दर की अपेक्षा 727 रुपये से लेकर 1250 रुपए की बेहद कम कीमतों में शासकीय जिला चिकित्सालय में हो रही हैं। सीटी स्कैन सुविधा से लाभांवित होने वाले कहते हैं कि विदिशा जिले के लिए यह सुविधा वाकई कारगर है। विदिशा जिले के मरीजों की सुविधा तथा उनकी आर्थिक बचत को देखते हुए विदिशा के जिला चिकित्सालय में श्रीजी हेल्थ केयर एण्ड डायग्नोसिस सेन्टर में सीटी स्कैन की सुविधा एक जनवरी 2023 में प्रारंभ हुई थी। जिला चिकित्सालय द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी अनुसार श्रीजी हेल्थ केयर के सीटी स्कैन सेंटर में अब तक 39 हजार 363 हितग्राही लाभान्वित होकर सिटी स्कैन की जांच करा चुके हैं। जिनमें आयुष्मान कार्ड, बीपीएल कार्ड धाराकों के अलावा अन्य मरीज शामिल हैं।

हितग्राहियों को प्रदाय खाद्यान्न में चावल की मात्रा तय

सिरोंज। विदिशा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में सम्मिलित पात्र हितग्राहियों को अक्टूबर माह में वितरित किए जाने वाले खाद्यान्न की अनुपात में संशोधन किया गया है कि जानकारी देते हुए जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू ने बताया कि अक्टूबर 2024 से शासकीय उचित मूल्य दुकानो के माध्यम से वितरित होने वाले खाद्यान्न (गेंहू एवं चावल) के आवंटन एवं वितरण अनुपात में परिवर्तन किया गया है। विदिशा जिले की शासकीय उचित मूल्य दुकानो से संलग्न अत्योदय परिवारो (एएवाय) को 24 किलो गेंहू एवं 11 किलो चावल की पात्रता होगी तथा प्राथमिक श्रेणी के परिवार (पीएचएच) को गेंहू चार किलो ग्राम तथा चावल एक किलो प्रति सदस्य की पात्रता होगी। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती साहू ने बताया कि शासकीय उचित मूल्य दुकानो पर माह अक्टूबर का खाद्यान्न वितरण प्रारंभ हो गया है अतः योजना अंतर्गत लाभांवित होने वाले समस्त पात्र परिवारो से विभाग के द्वारा अनुरोध किया गया है।

नवरात्रि के पहले दिन परंपरा अनुसार पूजन करने महामाई मंदिर पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालु

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शक्ति की आराधना का महापर्व नवरात्र की शुरुआत गुरूवार से हुई। महापर्व की तैयारियों को लेकर नगर सहित अंचलों में सभी माता मंदिरों को सुस्जित ढंग से सजाया गया है। साथ ही नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रो में गुरूवार को चारों ओर भक्ति का माहौल नजर आया। शहर के माता मंदिरों में श्रध्दालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली । भक्त श्रध्दा के साथ माता के भजनो पर झूमते गाते भी नजर आये। नगर के कठाली बाजार स्थित शीतला माता मंदिर, छिपेटी बाजार माता मंदिर, सहित विभिन्न देवी दरबारों में श्रध्दालुओं ने की पूजा अर्चना करने के लिए कतार देखने को मिली। वही नगर के लगभग 70 से 80 स्थानों पर आर्कषक ढंग से समिति के सदस्यों ने पंडाल सजाकर मातारानी को विराजमान कराया है। भक्ति आराधना के बीच श्रध्दालुओं ने विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर शुभ मुहूर्त में प्रतिमा की स्थापना कराई।

नवरात्र के पहले दिन घट स्थापना के साथ ही शक्ति स्वरूपा मां जगत जननी की आराधना का पर्व शुरू हो गया। तो वही माता रानी को प्रसन्ना करने के लिए किसी ने मंदिरों में जाकर जल, फूल और प्रसादी चढ़ाए तो किसी ने व्रत रखकर व दुर्गा पाठ करते हुए माता रानी की आराधना की।

मेट्रो एंकर घटना के बाद से मोहल्ले में दहशत का माहौल, घायल भोपाल रेफर

आपसी रंजिश के चलते किया चाकू से हमला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पालीवाल कालोनी स्थित एक गली में तीन लोगों ने 41 वर्षीय नारायण सिंह बघेल पर चाकुओं से अचानक हमला कर घायल कर दिया। घटना गुरुवार रात्रि करीब 10.30 बजे की है उस समय नारायण सिंह अपने घर के बाहर टहल रहे थे।

चाकू के हमले में नारायण सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें तुरंत निजी आरोग्य अस्पताल ले जाया गया जहां पर उनका प्राथमिक उपचार कराया गया। इसके बाद स्वजन उन्हें भोपाल ले गए। जहां पर एक निजी अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है, वह अभी खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नारायण सिंह की पत्नी 39 वर्षीय कलावती ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि गुरुवार की रात्रि में उनके पति नारायण सिंह भोजन करने के बाद झांकी की तरफ टहलने गए थे। कुछ देर बाद शोर शराबा सुनकर वह अपने बेटे केशव के साथ गली में लगी झांकी की तरफ गईं। तो देखा कि छोटू यादव, मोहित रघुवंशी, अंकित शर्मा चाकू से नारायण पर वार कर रहे थे। उन्होंने बताया कि हमारे पहुंचने के बाद वे तीनों भाग गए। कलावती की शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 109 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अवैध शराब के धंधे से जुड़ा है मामला - सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नारायण सिंह बघेल अवैध शराब के कारोबार में लिप्त थे। इसी कारण कई बार पुलिस उसे पकड़ चुकी है। उस पर अवैध शराब विक्रय के कई केस भी दर्ज हैं। नगर में चर्चा का विषय है कि यह लोग अवैध शराब का कार्य करते थे किसी कारण से इन लोगों में आपसी मतभेद हो गया था। जिसके कारण रात्रि में कुछ लोगों ने नारायण सिंह पर हमला कर दिया। रात्रि मैं हुई इस घटना के बाद से मोहल्ले में दहशत का माहौल है। पुलिस इस पूरे मामले में जांच करने में सक्रियता से जुट गई है।

धारदार हथियार से पेट में किया हमला, गंभीर रूप से घायल

सिरोंज। गुरुवार की रात्रि में गोकुलधाम कॉलोनी में तीन लोगों ने एक राय होकर नारायण बघेल पर हमला कर दिया जिसके चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गया सूचना के बाद मौके पर हंड्रेड डायल पहुंची और गंभीर हालत में उसको निजी अस्पताल में में भर्ती कराया गया जहां पर हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने भोपाल रखकर कर दिया। वहीं पुलिस ने नारायण बघेल की रिपोर्ट, मोहित रघुवंशी, अरविंद शर्मा और छोटू यादव पर 109 ,1 एक 118 ,1 , 3,5 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज करके मामले को विवेचना में लिया गया है। जानकारी के अनुसार इन लोगों में पहले से ही विवाद चल रहा है। पुलिस ने बताया कि झांकी लगी हुई थी उसमें आरती के बाद नारायण बघेल पास में घूम रहे थे। तभी इन तीनों लोगों ने मिलकर उस पर चाकू से हमला कर दिया।

सुपोषण जागरूकता को लेकर हुई कार्यशाला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शुक्रवार को सेवा भारती प्राथमिक केंद्र के द्वारा संजीवनी अस्पताल में सुपोषण जागरूकता पर कार्यशाला का आयोजन करके पोषण आहार तथा दैनिक जीवन में कौन-कौन सी सावधानियां बरतनी है। उनके संबंध में महिलाओं को जागरुक करते हुए। समाजसेवी पूर्व जिला पंचायत सभापति माधवी संजीव माथुर ने कहा कि आज के दौर में खान पीन प्रभावित हो रहा है जरूरी पोषण शरीर को नहीं मिला इसलिए बीमारियां शरीर के अंदर प्रवेश कर रही है। उनसे मुक्ति पाने के लिए जरूरी पोषण आहार का ही उपयोग करना चाहिए इसको लेकर उन्होंने आगे कहा कि समय का अभाव है और स्वयं के प्रति लोगों की लापरवाही बढ़ती जा रही है खुद पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इसलिए सेवा भारती सुपोषण अभियान के साथ संस्कृति से भी रूबरू कराने के लिए प्राथमिक केदो के माध्यम से सभी में जागरूकता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जिसमें हमें अपने जीवन में कौन-कौन सी सावधानियां बरतनी है और कौन-कौन से पोषण और हमारे लिए जरूरी है उसके बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। पूर्व जनपद अध्यक्ष डॉ संजीव माथुर ने भी सुपोषण अभियान कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं बालिकाएं मौजूद थी।

आईपीएल: विदेशी प्लेयर्स बिकने के बाद नहीं खेले तो 2 साल का बैन

नईदिल्ली. एजेंसी

बीसीसीआई ने आईपीएल की नई रिटेंशन पॉलिसी लागू कर दी। पॉलिसी के नियमों में विदेशी प्लेयर्स को नुकसान होता नजर आ रहा है। इसके तहत सभी विदेशी प्लेयर्स को मेगा ऑक्शन में रजिस्ट्रेशन कराना ही होगा। अगर रजिस्ट्रेशन नहीं कराया तो उन्हें बाद में होने वाले मिनी ऑक्शन में एंट्री नहीं मिलेगी। वहीं, किसी खिलाड़ी ने अगर ऑक्शन में बिकने के बाद टूर्नामेंट से नाम वापस लिया तो उन्हें अगले 2 सीजन के लिए बैन कर दिया जाएगा। साथ ही विदेशी प्लेयर्स अब एक सीजन में 18 करोड़ रुपए से ज्यादा कमा भी नहीं पाएंगे। पिछले मिनी ऑक्शन में ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क 24.75 करोड़ और पैट कमिंस 20.50 करोड़ रुपए में बिके थे। बता दें राइट टु मैच कार्ड में क्या बदलाव हुआ, प्लेयर रिटेन करने पर कितना खर्च होगा, विदेशी प्लेयर्स के लिए नए नियम क्या हैं, ऑक्शन में राइट टु मैच यानी आरटीएम कार्ड की भी वापसी हुई है। टीमें चाहें तो 6 खिलाड़ी ऑक्शन से पहले रिटेन कर लें या फिर टीमें ऑक्शन में 6 ऋ्रूकार्ड का इस्तेमाल कर लें। टीमों ने अगर 3 खिलाड़ी रिटेन किए तो उनके पास ऑक्शन में आरटीएम कार्ड ही बचेंगे। इसी तरह अगर 4 प्लेयर रिटेन किए तो ऑक्शन में 2 आरटीएम कार्ड बचेंगे।

जाने क्या है नया नियम

आईपीएल मेगा ऑक्शन से पहले अब फ्रेंचाइजी टीमें 6 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। जिनमें ज्यादा से ज्यादा 5 इंटरनेशनल और 2 अनकैप्ड प्लेयर शामिल हो सकते हैं। इंटरनेशनल प्लेयर किसी भी देश का हो सकता है, लेकिन अनकैप्ड खिलाड़ी भारत का ही होना चाहिए। मान लीजिए, मुंबई इंडियंस ने 5 इंटरनेशनल खिलाड़ी रिटेन किए तो टीम अब किसी अनकैप्ड प्लेयर को ही छठे खिलाड़ी के रूप में रिटेन कर सकेगी। वहीं टीम ने अगर 4 इंटरनेशनल प्लेयर रिटेन किए तो उनके पास 2 अनकैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन करने का ऑप्शन रहेगा।

रिंकु सिंह सबसे महंगे

मान लीजिए, मुंबई इंडियंस ने सूर्यकुमार यादव को रिटेंशन की सबसे बड़ी कीमत 18 करोड़ रुपए में रिटेन किया। अब अगर मेगा ऑक्शन में रिंकू सिंह सबसे महंगे रहे, लेकिन उनकी कीमत 15 करोड़ रुपए ही रही। तो अगले मिनी ऑक्शन में विदेशी प्लेयर को 15 करोड़ रुपए से ज्यादा नहीं मिलेंगे। वहीं, अगर रिंकू सिंह को मेगा ऑक्शन में 20 करोड़ रुपए में खरीदा गया तो अगले मिनी ऑक्शन में विदेशी प्लेयर को सूर्या की कीमत 18 करोड़ रुपए से ज्यादा नहीं मिलेंगे। यहां विदेशी प्लेयर्स को वही रकम मिलेगी जो रिटेंशन और मेगा ऑक्शन की सबसे बड़ी कीमत में सबसे कम हो। हालांकि, टीमें विदेशी प्लेयर्स को 20, 25 या 30 करोड़ रुपए की बोली लगाकर भी खरीद सकती हैं। उनके पर्स से उतना ही अमाउंट कटेगा, जितने की उन्होंने बोली लगाई, लेकिन खिलाड़ी को 15 या 18 करोड़ रुपए ही मिलेंगे।

बेटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर, लेकिन मां चाहती है 'खेल छोड़ दे'

दुबई. एजेंसी

हर माता-पिता की यही ख्वाहिश रहती है कि उनका बच्चा बड़ा होकर खूब नाम कमाए और देश-विदेश में अपनी पहचान बनाए, लेकिन बांग्लादेश की 19 साल की मीडियम पेसर मारूफा अख्तर के साथ इसका उलट है। 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाली मारूफा बहुत कम समय में विश्व क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने में सफल रही हैं, लेकिन उनकी मां इससे खुश नहीं है। मारूफा ने एक इंटरव्यू में इसका खुलासा किया। उन्होंने बताया कि मां अब भी यही चाहती हैं कि उनकी बेटी क्रिकेट खेलना छोड़ दे। मारूफा आइसीसी महिला टी-20 विश्व कप में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करेंगी।

मारूफा एक सामान्य परिवार से आती हैं। उनके पिता खेती करते हैं और मां घर पर बच्चों की देखभाल करती हैं। मारूफा अपने चार भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं। मारूफा ने जब क्रिकेटर बनने की इच्छा जताई तो माता-पिता से उन्हें कोई सहयोग नहीं मिला। आज वे बांग्लादेश टीम का एक जाना-पहचाना नाम बन चुकी हैं, लेकिन अब भी उनकी मां नहीं चाहती कि वे क्रिकेट खेलें।

टी-20 विश्व कप में बांग्लादेश की उम्मीद

भले ही मां से थोड़ी बगावत करनी पड़ी, लेकिन भाई से जो सहयोग मिला, उससे मारूफा अपने सपने को साकार करने में कामयाब रहीं। मारूफा अब तक बांग्लादेश के लिए 26 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 18 विकेट हासिल किए हैं। बांग्लादेश को महिला टी-20 विश्व कप 2024 में भी मारूफा से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। मारूफा ने बताया कि उनकी मां चाहती हैं कि बाकी लड़कियों की तरह मैं भी घर पर ही बैठूं। इस सफर में मारूफा को अपने बड़े भाइयों का पूरा साथ मिला। बचपन में वे लड़कों के साथ क्रिकेट और फुटबॉल खेला करती थीं। कई बार लड़के उन्हें अपने साथ फुटबॉल खिलाने से मना कर देते थे तब वे खूब रोया करती थीं। जब उनके बड़े भाई अल अमीन इस्लाम ने खेल के प्रति उनका जुनून देखा तो समझाया कि खेलना है तो क्रिकेट खेलो, फुटबॉल में पैर में चोट लगने का खतरा है। मारूफा ने अपने बड़े भाई की सलाह मान ली। भाई ने उनका एक स्थानीय एकेडमी में दाखिला करा दिया था।

इंग्लैंड ने फिनलैंड को 2-0 से दी शिकस्त

लंदन. एजेंसी

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन ने नेशंस लीग के ग्रुप-बी मुकाबले में फिनलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे। हैरी केन ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का कुल 100वां मुकाबला खेला और इसे यादगार बनाते हुए दो गोल दागे।

एसए 20 की 6 फ्रेंचाइजी ने 13 खिलाड़ी खरीदे

एमआई केपटाउन ने हेंड्रिक्स को 2.7 करोड़ रुपए में खरीदा

असुनसियन. एजेंसी

साउथ अफ्रीका की लीग एसए 20 के तीसरे सीजन के लिए नीलामी हो चुकी है। इसके लिए करीब 200 क्रिकेटर्स को शॉर्टलिस्ट किया गया था। इनमें से लीग की 6 फ्रेंचाइजियों ने 13 को खरीदा है। नीलामी के लिए ओपनर रीजा हेंडिक्स को एमआई केपटाउन ने 2.7 करोड़ रुपए में खरीदा है। वहीं, पूर्व कप्तान टेम्बा बावुमा को कोई खरीददार नहीं मिला है। एसए 20 का अगला सीजन 9 जनवरी से शुरू होकर 8 फरवरी तक खेला जाएगा। लीग के पिछले 2 सीजन एडन मारक्रम की कप्तानी वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने जीते हैं। हेंड्रिक्स सबसे महंगे, जोसेफ 20 लाख में बिके रीजा हेंड्रिक्स 2.7 करोड़ रुपए की नीलामी के साथ इस ऑक्शन में बिकने वाले सबसे महंगे खिलाड़ी बने हैं। इनके अलावा, वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज समर जोसेफ को डरबन सुपर जायंट्स ने सबसे कम 20.5 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा। इस नीलामी में केप टाउन, प्रिटोरिया कैपिटल्स और जोबर्ग सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी ने 3-3 खिलाड़ी खरीदे, जबकि डरबन सुपर जायंट्स ने एक ही खिलाड़ी को खरीदा। बावुमा और मेंडिस को किसी ने नहीं खरीदा इस नीलामी में साउथ अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा और श्रीलंकाई बल्लेबाज कमिंदु मेंडिस को किसी भी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा है। बावुमा 59 टेस्ट मैचों में 3102 रन बना चुके हैं, जिसमें 2 शतक और 21 अर्धशतक शामिल हैं। उनके नाम पर वनडे में 1572 रन और टी20 इंटरनेशनल में 670 रन दर्ज हैं। फिर वह ऑक्शन में अनसोल्ड रहे हैं। दूसरी तरफ आईपीएल में खेल चुके आयरलैंड के जोस लिटिल भी अनसोल्ड रहे हैं।

मेट्रो बाजार

मुंबई. एजेंसी

सरकार ने वायाकॉम18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के नॉन-न्यूज और करेंट अफेयर्स टेलीविजन चैनलों के लाइसेंस को स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को ट्रांसफर करने की मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ इंडिया की ओर से रखे गए मर्जर के शर्तों के मुताबिक दी गई है। रिलायंस और डिज्नी ने 28 फरवरी 2024 को भारत में अपने एंटरटेनमेंट ब्रांड्स को एक साथ लाने के लिए स्ट्रैटेजिक जॉइंट वेंचर बनाने का ऐलान किया था। डील में रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी कंपनी, वायकॉम18 को डिज्नी की इंडियन यूनिट स्टार इंडिया के साथ मर्ज कर दिया जाएगा। इस मर्जर से बनने वाली नई कंपनी देश की सबसे बड़ी टेलीविजन और डिजिटल स्ट्रीमिंग कंपनी होगी। इससे पहले, 30 अगस्त को कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया ने डिज्नी और रिलायंस एंटरटेनमेंट के मर्जर को मंजूरी दी थी। मर्जर के बाद बनी नई कंपनी के पास पूरे भारत में 75 करोड़ दर्शक होंगे। वॉल्ट डिज्नी के ष्टश्वह्र बॉब ईगर ने बीते दिनों कहा था- मार्केट में काफी कॉम्पिटिशन है, इसलिए मर्जर से एक बड़ी कंपनी बनेगी जिससे उसे बाजार में टॉप पर बने रहने में मदद मिलेगी। नई कंपनी के पास सबसे बड़ा कस्टमर बेस होगा। डिज्नी के करीब 3.6 करोड़ और रिलायंस के 1.5 करोड़ पेइंग सब्सक्राइबर्स है। रिलायंस के साथ पार्टनरशिप से डिज्नी को बिजनेस बढ़ाने और रिस्क कम करने का मौका मिलेगा। वहीं इससे मुकेश अंबानी को 28 अरब डॉलर यानी, करीब 2.3 लाख करोड़ रुपए के एंटरटेनमेंट सेक्टर पर मजबूत पकड़ मिल जाएगी।

रिलायंस-डिज्नी को मिलाकर बन रहा देश का सबसे बड़ा नेटवर्क

रिपोर्ट में दावा: 2035 तक इलेक्ट्रिक वाहनों में खर्च होगा कुल बिजली उत्पादन का 6 से 9 फीसदी हिस्सा

नई दिल्ली. एजेंसी

वैश्विक स्तर पर ईवी को अपनाने में इजाफा देखा जा रहा है। 2023 में, ईवी दुनिया भर में सभी प्रकार की कार बिक्री का 18 प्रतिशत हिस्सा बन गए। इसमें चीन की हिस्सेदारी आधे से अधिक थी। ईवी के उपयोग में इस तीव्र वृद्धि का वैश्विक बिजली खपत पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। निवेश प्रबंधन फर्म एसेट मैनेजर होल्डिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में इलेक्ट्रिक वाहन 2035 तक देश की बिजली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खपत करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2035 तक भारत की कुल बिजली खपत में ईवी का हिस्सा 6 से 8.7 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। यह ईवी के बढ़ते उपयोग और पावर ग्रिड पर उनके प्रभाव को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है, ईवी यानी इलेक्ट्रिक वाहन 2035 तक लगभग 6 से 8.7 प्रतिशत बिजली की खपत करेंगे। वैश्विक स्तर पर ईवी को अपनाने में इजाफा देखा जा रहा है। 2023 में, ईवी दुनिया भर में सभी प्रकार की कार बिक्री का 18 प्रतिशत हिस्सा बन गया। इसमें चीन की हिस्सेदारी आधे से अधिक थी। ईवी के उपयोग में इस तीव्र वृद्धि का वैश्विक बिजली खपत पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट में बताया कि ईवी की बढ़ती पहुंच के साथ, वैश्विक बिजली खपत में उनकी हिस्सेदारी 2023 में 0.5 प्रतिशत से बढ़कर 2035 तक 8.1 प्रतिशत और 9.8 प्रतिशत के बीच हो जाएगी।

क्रिकेट: एसीसी अध्यक्ष शाह ने की घोषणा

अब अंडर-19 महिला टी-20 एशिया कप की होगी शुरुआत

कुआलालंपुर. एजेंसी

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने महिला अंडर-19 टी-20 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू करने की घोषणा की है। जय शाह की अध्यक्षता में यहां हुई एसीसी कार्यकारी बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया गया। एसीसी ने कहा कि इस टूर्नामेंट से एशिया की युवा महिला खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करने के लिए शानदार अंतरराष्ट्रीय मंच मिलेगा।

हर दो साल में होगा टूर्नामेंट का आयोजन

एसीसी ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि इस टूर्नामेंट का आयोजन प्रत्येक दो साल में किया जाएगा, जोकि महिला आइसीसी अंडर-19 टी-20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से अहम साबित होगा। हालांकि अभी यह घोषणा नहीं की गई है कि इस टूर्नामेंट के पहले संस्करण की शुरुआत कब होगी और इसका मेजबान देश कौन होगा।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

'सुरक्षा' ने बनाया मिथुन को सुपरस्टार

ये उन दिनों की बात है, जब लक्ष्मी बस मिथुन पर मेहरबान होना शुरू हुई ही थी। फिल्में उनको मिलने लगी थीं और लोग उनको पहचानने भी लगे थे और फिर साल 1979 के जून में जब बंबई में मॉनसून के बादल तैरने लगे थे तो मिथुन पर कामयाबी झूम के बरसी। ये बात है फिल्म 'सुरक्षा' की। जिस दिन ये फिल्म रिलीज हुई, उसी रात मिथुन अपने कुछ खास लोगों के साथ ये फिल्म देखने दादर के सिनेमाघर पहुंच गए। उन दिनों जासूसी उपन्यास खूब बिकते थे और इन उपन्यासों के शौकीन परदे पर 'आंखें', 'फर्ज़', 'कीमत' और 'सुरक्षा' जैसी जासूसी फिल्में देखकर खुश भी बहुत होते थे। इनमें से आखिर की तीनों फिल्में एक ही निर्देशक रविकांत नगाइच की बनाई हुई हैं, जो मशहूर सिनेमैटोग्राफर भी रहे हैं। मिथुन जब दादर के उस थिएटर में दिन ढले पहुंचे जहां 'सुरक्षा' उसी दिन दोपहर में रिलीज हुई थी तो सन्नाटा था। सन्नाटा इसलिए क्योंकि शो शुरू हो चुका था। पब्लिक सब अंदर थी। मिथुन के चेहरे का रंग बदलते उनके दोस्त ने देखा तो कंधे पर हाथ रखा। दोनों को आया देख थिएटर का मैनेजर थोड़ा अलर्ट हुआ लेकिन उसके रंग बदलने अभी बाकी थे। वह दोनों को हॉल के अंदर ले गया तो वहां का तो नजारा ही अलग था। पब्लिक मिथुन की हर अदा पर सीटियां मार रही थी। उनके डांस के दौरान फर्स्ट क्लास के आगे की खाली पड़ी जगह पर कुछ लड़के डांस भी करने लगे। अब मिथुन के चेहरे पर पहली बार रंगत आई। दोस्त ने इसे भांप लिया। इंटरवल होने वाला था तो वह मिथुन को लेकर मैनेजर के केबिन में आ गया। इंटरवल में पब्लिक बाहर निकली और ना जाने कैसे किसी को पता चला गया कि जो फिल्म 'सुरक्षा' वह देख रहे हैं, उसका हीरो मिथुन चक्रवर्ती इस वक्त सिनेमा हॉल में ही है। इतने में घंटी बजी और फिल्म शुरू हो गई। लेकिन, इंटरवल के पहले तक की फिल्म ने ही दर्शकों पर जादू कर दिया था। पब्लिक ने मिथुन को मिनट भर के भीतर तलाश लिया और सब उनसे हाथ मिलाने और उनका ऑटोग्राफ लेने के लिए केबिन में घुसने लगे।

ऐश्वर्या से मांगी पालन-पोषण से जुड़ी सलाह, अभिनेत्री बोलीं- इसकी कोई नोटबुक

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन अक्सर अपनी बेटी आराध्या के साथ नजर आती हैं। हाल ही में अबू धाबी में अपनी बेटी आराध्या को लेकर किए गए एक सवाल का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि आराध्या मेरी बेटी है और वो हमेशा मेरे साथ रहेगी। अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन हाल ही में बेटी आराध्या के साथ अबू धाबी गई थीं। मां बेटी इस जोड़ी को इस दौरान साथ में साथ गया था। इसके अलावा भी ऐश्वर्या अपनी बेटी के साथ नजर आती रहती हैं। दुबई में एक अवॉर्ड फंक्शन में मीडिया से बातचीत के दौरान ऐश्वर्या राय बच्चन से पूछा गया कि बेटी की मां होने के नाते लोगों को क्या ध्यान रखना चाहिए। मीडिया रिपोर्टर भी एक बेटी की मां थी इसलिए उन्होंने बेटी के पालन पोषण से जुड़ी कुछ राय और टिप्स जानने के लिए सवाल किया। ऐश्वर्या राय ने इस सवाल के जवाब में कहा कि आप खुद एक मां हैं और इस बारे में बेहतर जानती हैं। हम सभी इंसान हैं, हमें एक दूसरे को बैठकर कुछ भी सलाह नहीं देनी चाहिए। इसके लिए कोई नोटबुक कोई रूल बुक नहीं है, जिसके साथ हम पैदा हुए हैं, इसलिए आप अपनी बेटी के साथ अपने तरीके से रहिए आपसे अच्छा आपकी बेटी के लिए कोई नहीं सोच सकता है। बहुत सारा आशीर्वाद और प्यार। मीडिया से बातचीत के दौरान ऐश्वर्या से जब कहा गया कि वह सबसे अच्छी बातें सीख रही हैं, क्योंकि वो हमेशा आपके साथ रहती हैं। इस पर ऐश्वर्या ने कहा, वो मेरी बेटी है, मेरे साथ ही रहेगी। बता दें कि ऐश्वर्या इस अवॉर्ड शो में अपनी बेटी के साथ पहुंची थीं। वहीं, अभिषेक बच्चन इन दिनों हाउसफुल 5 के लिए शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, चित्रांगदा सिंह, सोनम बाजवा और सौंदर्या शर्मा नजर आने वाले हैं।

परवरिश कभी भी स्टार किड्स के तौर पर नहीं हुई: श्रिया

सचिन पिलगांवकर और सुप्रिया की बेटी श्रिया ने पेरेंट्स के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग प्रोफेशन को ही चुना। श्रिया मानती हैं कि उनकी परवरिश कभी भी स्टार किड्स के तौर पर नहीं हुई है। एक्ट्रेस ने करियर की शुरुआत मराठी फिल्म 'एकुल्ती एक' से की। हिंदी फिल्मों में शाहरुख खान की 'फैन' में बड़ा मौका मिला। लेकिन वेब सीरीज में ज्यादा कामयाबी मिली है। श्रिया की 'ताजा खबर' का दूसरा सीजन डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो चुका है। श्रिया बोली सबसे बड़ी चुनौती यह आती है कि पहले से और क्या बेहतर किया जा सकता है। 'मिर्जापुर' के बाद 'ताजा खबर' की काफी चर्चा रही है। हम दर्शकों का फीडबैक लेते हैं और कुछ बेहतर करने की कोशिश करते हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं था कि सीजन वन हिट हो गया तो कुछ भी बना लें। इस बार थोड़ा एक्शन है और मुझे भी एक्शन करने का मौका मिला है। वैसे भी मुझे एक्शन करना पसंद है। ऐसा लोगों को लगता है कि पेरेंट्स एक्टिंग फील्ड से हैं तो एक्टिंग ही में दिलचस्पी होगी। ऐसा होता होगा, लेकिन मेरे मामले में ऐसा नहीं था। मेरी दिलचस्पी दूसरे कामों में बहुत थी। मुझे फिल्म मेकिंग और कहानियां कहने में बहुत दिलचस्पी थी। मैं तो फिल्म मेकिंग का कोर्स कर रही रही थी। श्रिया ने बताया कि फिल्म मेकिंग की कोर्स के साथ-साथ थिएटर भी करने लगी थी। पहली बार एक फेस्टिवल के लिए 10 मिनट का नाटक किया। उसके लिए एक महीने तक रिहर्सल की थी। उस दौरान एक्टिंग में मुझे दिलचस्पी लगने लगी। मुझे लगने लगा कि एक्टिंग में करियर बनाना चाहिए। मम्मी ने कहा कि घूम फिर कर तुमको भी यही काम करना है। उन्हें लगा था कि कोई और काम करेगी। पापा ने वह नाटक देखा था। उस समय मराठी फिल्म 'एकुल्ती एक' की कहानी लिख रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी और को फिल्म में कास्ट करने से बेहतर है कि क्यों ना श्रिया को ही कास्ट कर लें। घर का माहौल एक्टिंग की यूनिवर्सिटी की तरह है। पेरेंट्स का एक अलग मुकाम और पहचान है। मैं तो अभी खुद का नाम बनाने की कोशिश कर रही हूं। अपने पेरेंट्स की लिगेसी को आगे बढ़ाना है।

टियर गैस पार्टी, अश्रु गैस पार्टी, लाठी पार्टी, रायफल पार्टी समेत मेडिकल पार्टी रही तैनात

नेहरू नगर में बलवा मॉक ड्रिल का आयोजन, तीन सौ पुलिसकर्मी और अधिकारियों ने लिया हिस्सा

भीड़ को चेताया, पथराव करने पर पुलिस ने दागे टियर गैस के गोले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नवदुर्गा उत्सव और दशहरे में शांति शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने शुक्रवार को पुलिस लाइन नेहरू नगर के परेड ग्राउंड पर बलवा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल में भीड़ का हिस्सा भी पुलिस बनी और भीड़ को तितर बितर करने वाली पुलिस की भी भूमिका पुलिस ने निभाई। मॉक ड्रिल में प्रदर्शन करने वाली बेकाबू भीड़ पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। इस ड्रिल में भोपाल पुलिस कमिश्नरेट के करीब तीन सौ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। बलवा ड्रिल परेड से पहले पुलिस उपायुक्त श्रद्धा तिवारी ने समस्त जवानों को संबोधित करते हुए बलवा ड्रिल परेड का महत्व बताया। उन्होंने कानून व्यवस्था के दौरान विपरीत परिस्थितियों में क्या सावधानियां बरती जानी चाहिए और पुलिस जवानों की क्या जिम्मेदारी होती है। इसको लेकर जानकारी दी। बलवा मॉक ड्रिल में पुलिस जवानों की अलग-अलग टीमें बनाई गई थी। इसमें टियर गैस पार्टी, अश्रु गैस पार्टी, लाठी पार्टी, राइफल पार्टी, मेडिकल पार्टी, वाटर केनन पार्टी तैयार की गई। सभी पार्टियों को उनके कार्य समझाए गए। इस प्रकार की गई मॉक ड्रिल एक्सीडेंट हादसे में हुई एक युवक की हुई मौत के मामले में उचित मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे परिजन को पुलिस ने समझाने का प्रयास किया तो वह उग्र होकर पुलिस पर पथराव करने लगे।

आवाज वाले गोले दागे

जान-माल का नुकसान एवं जनहानि की आशंका को देखते हुए पुलिस ने पहले भीड़ को चेताया गया। इसके बाद भी भीड़ नहीं मानी तो टियर गैस पार्टी ने आवाज वाले गोले दागे। उसके बाद आंसू गैस के गोले छोड़े गए। प्रदर्शनकारी सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने लगे तो पुलिस ने अलाउंसमेंट कर उन्हें चेतावनी दी। प्रदर्शनकारियों को उग्र होता देख पुलिस टीम ने लाठी चार्ज कर दिया। उसके बाद अनियंत्रित भीड़ को रोकने एवं सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान से बचाने के लिए मजिस्ट्रेट के आदेश पर फायर किए गए। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारी और कुछ पुलिसकर्मी घायल हुए। घायलों को उपचार के लिए डॉक्टर की टीम द्वारा एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। बलवा ड्रिल रिहर्सल परेड का उद्देश्य बलवा मॉक ड्रिल में दोनों ही भूमिकाओं में पुलिस अधिकारी और कर्मचारी थे। कानून-व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए विपरित परिस्थितियों में भीड़ पर नियंत्रण पाने के लिए अमले को प्रशिक्षण देने और अपनी क्षमताओं की परख करने के लिए समय-समय पर इस तरह की मॉक ड्रिल आयोजित की जाती है। ताकि कानून व्यवस्था ड्यूटी, धरना-प्रदर्शन इत्यादि के दौरान पुलिसकर्मी अपने आप को सुरक्षित रखते हुए अपने कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन कर भीड़ नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

पांच महीने बाद कार के इंजन में आया फाल्ट, वर्कशॉप में डॉक्टर और साथियों से मारपीट

वर्कशॉप मैनेजर का आरोप, डॉक्टर ने अपने साथियों के साथ की थी बदसलूकी, काउंटर प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

औद्योगिक क्षेत्र अशोका गार्डन के टाटा मोटर्स वर्कशॉप में डॉक्टर और उनके साथियों से मारपीट का मामला सामने आया है। नई कार के इंजन में फाल्ट होने पर वे शिकायत लेकर पहुंचे थे, तभी विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर वर्कशॉप में उनके और साथियों के साथ मारपीट हुई है। पुलिस ने डॉक्टर की शिकायत पर वर्कशॉप मैनेजर और कर्मचारियों पर मारपीट का प्रकरण दर्ज किया है। इसी प्रकार मैनेजर की शिकायत पर डॉक्टर और उनके परिचितों पर प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार अयोध्या नगर निवासी 27 साल के डॉ सतीश नामदेव, निजी अस्पताल के आयुष विभाग में प्रेक्टिस करते हैं। 5 महीने पहले उन्होंने टाटा मोटर्स औद्योगिक क्षेत्र से अल्ट्रोज कार खरीदी। 27 सितंबर को कार आष्टा में खराब हो गई। शिकायत करने पर कंपनी कार टोचन कर वर्कशॉप ले आई। अगले दिन वह वर्कशॉप पहुंचे। वर्कशॉप में शुभम तिवारी से बात की। शुभम ने बताया कि कार का ब्लाक चेंबर फटा है। प्रयास कर रहे हैं कि इंजन बदल जाए। 30 सितंबर को सतीश दौबारा वर्कशॉप पहुंचे। शुभम ने कहा कि 7-8 दिन में इंजन बदल जाएगा। 1 अक्टूबर को शुभम तिवारी ने मोबाइल पर बताया कि इंजन नहीं बदल सकेगा। केवल डैमेज पार्ट बदला जाएगा। 2 अक्टूबर को शुभम तिवारी ने कॉल कर बताया कि कार में जो काम है उसका भुगतान आपको खुद वहन करना पड़ेगा। 3 अक्टूबर को सतीश अपने दोस्त अखिलेश द्विवेदी, गोलू धाकड, अंकुर द्विवेदी के साथ वर्कशॉप पहुंचे। वहां मेनेजर शरद विश्वकर्मा ने कहा कि कार का इंजन नहीं बदलेगा। सतीश ने कहा कि आपकी कंजूमर फोरम में शिकायत करुंगा। शरद बोले हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकोंगे।

वीडियो बनाने पर भड़के: गोलू धाकड़ मोबाइल पर वीडियो बना रहा था। इस पर वर्कशॉप कर्मचारी सूरज ने वीडियो बनाने से मना किया। सतीश के दोस्त अखिलेश ने कहा कि हमारी गल्ती नहीं है। वीडियो तो बनेगा इंजन का फाल्ट है। सूरज, गोलू को वीडियो बनाने से रोकने लगा उसी समय शरद विश्वकर्मा आए और कहने लगे कि 10 मिनिट के लिए कैमरे बंद कर दो। उसके बाद सभी मिलकर झूमाझटकी, मारपीट की और धक्के देकर बाहर निकाल दिया। सतीश ने घटना की शिकायत अशोका गार्डन पुलिस से की है। पुलिस ने वर्कशॉप में मैनेजर समेत अन्य पर मारपीट का मामला दर्ज किया है।

इंजन में पानी जाने से हुआ सीज: वर्कशॉप के मैनेजर 48 साल के शरद विश्वकर्मा ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि कार को वे टोचन करके लाए थे। इंजन का निचला हिस्सा टूटा था। सतीश वर्कशॉप पहुंचे थे। उन्हें कहा रिपोर्ट बनाकर हेड आफिस पुणे भेजेंगे। वहां से रिपोर्ट मिलेगी उसके अनुसार काम करेंगे। एडवाइजर ने कार सतीश को कॉल पर बताया था कि आपकी कार का अफ्रुवल का रिजेक्शन आ गया है। मैंने सतीश को बताया कि टाटा मोटर्स की रिपोर्ट के अनुसार आपकी कार के इंजन में पानी जाने से इंजन सीज हुआ है। इंजन में निर्माण संबंधी खामी नहीं है। कंपनी ने आपका क्लेम रिजेक्ट किया है। इंजन में जो भी डैमेज हुआ है उसे आप अपने खर्चे पर सुधरवा लें।

सोने की चेन लूटने वाला इंजीनियरिंग छात्र गिरफ्तार

गेम खेलने से कर्जा बड़ा तो लूटी महिला की चेन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिपलानी थाना क्षेत्र कल्पना नगर में बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन लूटने वाले इंजीनियरिंग छात्र को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। छात्र के पास से से लूटी गई चेन समेत मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल किया गया मास्क बरामद किया है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि छात्र ग्रो-एप पर ट्रेडिंग करने और ऑनलाइन गेम खेलने का आदी है। उस पर कर्ज बड़ गया था तो उसने लूट की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार कांता वनवे (75) कल्पना नगर पिपलानी में रहती हैं। 30 सितंबर की शाम करीब 7 बजे वह अपनी सहेली कृष्णा सक्सेना के साथ चमत्कारी महादेव मंदिर कल्पना नगर से दर्शन करने के बाद घर लौट रही थी। उनके पीछे एक युवक चल रहा था। मंदिर से कुछ दूर आगे पहुंचते ही युवक ने कांता की पीठ के पीछे से गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन झपट ली। कांता ने पीछे मुड़कर देखा तो उक्त युवक चेन लेकर मेन रोड की तरफ भाग निकला। दोनों महिलाओं ने उसका पीछा भी किया, लेकिन बुजुर्ग महिलाएं कुछ नहीं कर सकी। कांता ने पुलिस को बताया था कि बदमाश की उम्र करीब 25 साल होगी। वह काले रंग का जींस तथा काले रंग की शर्ट पहने था। लूटी गई चेन की कीमत तीस हजार रुपए थी। इंजीनियरिंग छात्र निकला लुटेरा घटना के बाद लुटेरे की तलाश में एक विशेष टीम लगाई गई थी।

सीसीटीवी फुटेज से पकड़ाया आरोपी: टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज निकालने के साथ ही मुखबिरों को सक्रिय किया। शुक्रवार को सूचना मिली कि चैन लूटने वाले हुलिए का एक युवक कल्पना नगर में दिखाई दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताए गए संदेही को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने चेन लूटने की बता स्वीकार कर ली। पूछताछ पर आरोपी ने अपना नाम आर्यन नायक (21) निवासी रामपुर वार्ड, सागर बताया। फिलहाल वह पटेल नगर, आनंद नगर पिपलानी में रहता है और इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि कर्जा चुकाने के लिए उसने बुजुर्ग महिला के चैन लूटी थी। पुलिस उसका आपराधिक रिकार्ड निकाल रही है।

भोपाल, दोपहर मेट्रो। श्रीसत्य साईं महिला कॉलेज के एलुमनाई मीट मिलन का आयोजन हुआ। कॉलेज के स्वर्ण जयंती के अवसर पर ग्रुप सर्जन द्वारा गरबा और नवरात्रि स्पेशल थीम पर टीचर्स और स्टूडेंट ने जमकर धूम मचाई। नाच, गाना और एंजॉय किया। - फोटो निर्मल व्यास

महिला हिंसा रोकने बच्चों को किया जागरूक

भोपाल। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर एसपी देहात भोपाल प्रमोद कुमार सिन्हा के निर्देशन में महिला हिंसा को रोकने के लिए मैं हूं अभिमन्यु अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत शुक्रवार को परवलिया सड़क थानांतर्गत ग्राम तारा सेवनिया स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नोडल अधिकारी और एसडीओपी ईंटखेड़ी मंजू चौहान के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यवाहर निरीक्षक रचना मिश्रा, थाना प्रभारी रोहित नागर के साथ ही स्कूली स्टाप, ग्राम तारा सेवनिया और चंदूखेड़ी सरपंच, आर्गनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, ग्रामीणजन तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान महिला संबंधी अपराध, उनके कानूनी प्रावधान, समाज में महिलाओं को समानता, सुरक्षा एवं संवेदनशीलता का भाव रखने हेतु महिला अपराधों की रोकथाम के लिए अपील की गई। बालिकाओं को गुड-टच व बैड-टच के बारे में बताया। अभिमन्यु शुभंकर के उद्देश्य को बताते हुए समाज में फैली रूढ़िवादी कुरीतियां, दहेज प्रथा, असुरक्षा, संवेदनशीलता और अश्लीलता जैसे चक्रव्यूह से आगे निकलकर महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण रखने की बात कही गई। बालिकाओं को हेल्पलाईन नंबर 1090, 1098, 1930 के बारे में बताया गया। साथ ही आपातकालीन स्थिति में डायल 100 के बारे मे जानकारी देते हुए पेम्पलेट्स वितरित किए गए।

शादी का झांसा देकर युवती का किया शारीरिक शोषण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

महिला थाना पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी ने शादी करने की तारीख भी लिखकर दी थी, लेकिन समय आने पर उसने शादी से इंकार कर दिया। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। जानकारी के अनुसार हबीबगंज इलाके में रहने वाली 26 वर्षीय युवती प्रायवेट काम करती है। दिसंबर 2017 में वह टीटी नगर इलाके में जाब करती थी। उस वक्त एक दोस्त के माध्यम से उसकी पहचान सुनील नामक युवक से हुई थी। सुनील भी प्रायवेट काम करता है। बाद में दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई और वह एक-दूसरे से प्रेम करने लगे। उन्होंने इसकी जानकारी अपने परिजन को दी तो वह उनकी शादी करने के लिए तैयार हो गए। उसके बाद दोनों के बीच शारीरिक संबंध बनने लगे। करीब छह साल तक संबंध बनाने के बाद पिछले साल सुनील ने युवती को शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़िता ने इसकी शिकायत की तो दोनों की काउंसलिंग करवाई गई, जिस पर सुनील ने पिछले तीस सितंबर को शादी करने का एग्रीमेंट किया था। तीस सितंबर बीतने के बावजूद भी जब उसने शादी नहीं की तो पीड़िता ने थाने जाकर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज करवा दिया।

किराएदार ने मकान मालिक को पीटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। छोला मंदिर इलाके में रहने वाले एक युवक ने अपने मकान मालिक के साथ मारपीट कर दी। मालिक ने उसे कमरा खाली करने का बोला था। पुलिस के मुताबिक बैजनाथ साहू (45) सुंदर नगर छोला मंदिर में रहते हैं। करीब दो महीने पहले उन्होंने गिरधारीलाल को अपना मकान किराए पर दिया था। दो दिन पहले उन्होंने उससे मकान खाली करने का बोला तो उसने मना कर दिया। बैजनाथ ने उसे कुछ दिन बाद खाली करने की बात कही तो वह गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर गिरधारी ने डंडे से बैजनाथ के साथ मारपीट कर दी, जिससे उन्हें सिर में चोट आई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

तेज आवाज में डीजे बजाने पर पुलिस ने की कार्रवाई

भोपाल। नवदुर्गा उत्सव के चलते इन दिनों डीजे बजाए जा रहे हैं। तेज आवाज में डीजे बचाने वाले तीन संचालकों पर कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक बैरागढ़ पुलिस ने चंचल चौराहे के पास टाटा वाहन में लगे डीजे वाहन संचालक पर कार्रवाई की है। इधर, हबीबगंज पुलिस ने सुभाष स्कूल तिराहा और श्याम नगर इलाके में तेज आवाज में बज रहे दो डीजे संचालकों पर कार्रवाई की।

मेट्रो एंकर शराब पीने का आदी था मृतक, पुलिस को नहीं मिला सुसाइड नोट

आई-6 पंप हाउस में नगर निगमकर्मी ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित आई-6, पंप हाउस में नगर निगमकर्मी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा। पुलिस के अनुसार सुरेश पाटिल पिता पांडुरंग पाटिल (56) आई-6, पंप हाउस कोहेफिजा में रहते थे। वे नगर निगम में नौकरी करते थे। उनके बेटे हेमराज ने पुलिस को बताया कि पिता सुरेश पाटिल शराब पीने के आदी थे। वे अधिकतर समय शराब के नशे में रहते थे। शुक्रवार को भी वह नशे में थे। शाम करीब 7 बजे हेमराज ने उन्हें घर के कमरे में फांसी के फंदे पर लटका देखा था। इसके बाद फंदे से उतारकर अस्पताल ले गया। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि सुरेश पाटिल के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

करंट से झुलसकर युवक की मौत: इसी थाना क्षेत्र स्थित विजय नगर लालघाटी में रहने वाले युवक की करंट से झुलसकर मौत हो गई। उसे करंट लगने के बाद परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां उसका करीब चार दिन से इलाज चल रहा था। पुलिस के अनुसार प्रेम चौरसिया पिता लड्डू चौरसिया (30) विजय नगर लालघाटी में रहते थे और प्राइवेट काम करते थे। गत 30 सितंबर को उन्हें करंट लग गया था। करंट से झुलसने के बाद परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात उनकी मौत हो गई।

छत पर काम कर रहे मजदूर को लगा करंट, मौत

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित बागमुगलिया में शुक्रवार सुबह करंट से झुलसकर एक युवक की मौत हो गई। वह छत पर काम करते समय ऊपर से गुजरी हाईटेंशन लाइनकी चपेट में आया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार प्रकाश कुमार गौतम पिता राम सूरत गौतम (40) शनि मंदिर के पास, बागमुगलिया में रहता था। मूलत- उत्तर प्रदेश का रहने वाला प्रकाश कुमार यहां बेलदारी (मजदूरी) करताइथा। शुक्रवार सुबह वह मकान नंबर-18, में रहने वाले गिरी के मकान में काम करने गया था। छत पर वह काम कर रहा था, तभी छत के ऊपर पांच फीट की ऊंचाई से निकली हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर नीचे गिर गया। उसे एम्स ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने कुछ ही देर बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

एजेंसी संचालक के सूने मकान पर चोरों का धावा, मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गौतम नगर में रहने वाले एक एजेंसी संचालक के सूने मकान पर चोरों ने धावा बोला और चांदी के जेवरात तथा नकदी लेकर भाग निकले। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक सतेंद्र चौकसे (33) पश्चिमी निशातपुरा कालोनी थाना गौतम नगर में रहते हैं और विज्ञापन एजेंसी चलाते हैं। बीती 25 सितंबर को वह अपने परिवार के साथ घर पर ताला लगाकर धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हैदराबाद चले गए थे। तीन अगस्त को वापस लौटे तो मेन गेट का ताला लगा मिला, लेकिन पहली मंजिल के कमरे और अलमारियों के ताले टूटे थे। चैक करने पर अलमारी में रखे चांदी के जेवरात और नकदी समेत अन्य सामान गायब था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जांच-पड़ताल में पता चला कि बदमाशों ने छत के रास्ते घर में प्रवेश किया था। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। साई मंदिर के सामने से बाइक चोरी टीला जमालपुरा निवासी देवेंद्र सिंह ठाकुर (41) प्रायवेट काम करते हैं। गुरुवार सुबह करीब साड़े नौ बजे वह सिंधी कालोनी स्थित साई मंदिर दर्शन करने पहुंचे थे। उन्होंने अपनी बाइक मंदिर के सामने पार्किंग में खड़ी की मंदिर के अंदर चले गए। करीब पंद्रह मिनट बाद बाहर निकले तो देखा कि बाइक गायब है। आसपास तलाश करने पर भी बाइक नहीं मिली तो थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर स्टेशन बजरिया स्थित साईराम कालोनी से संजय साहू, छावनी रोड मंगलवारा से मोहम्मद हैदर और पीपुल्स मॉल निशातपुरा से नेतराम अहिरवार की बाइक चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022